डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 211 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 17 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

## शनि विहार में देर रात पांच बाइक में तोड़फोड़

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** शहर कोतवाली क्षेत्र की शनि विहार कॉलोनी फेस- 1 के मदारपुरा इलाके में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात अज्ञात उपद्रवियों ने गली में खड़ी पांच बाइक को गिराकर क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थानीय निवासियों को जब घटना की जानकारी मिली तब तक बाइक क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं। स्थानीय लोगों ने तत्काल सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली से पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन, तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुके थे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही हैं। क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग की आवश्यकता है। लोगों की मांग है कि पुलिस जल्द से जल्द आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करे। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों और लोगों को नुकसान न उठाना पड़े। वहीं सिटी कोतवाली पुलिस ने बताया कि मौके का मुआयना कर लिया गया है, आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है। जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## परिवहन विभाग : नीमच में कार्रवाई, मंदसौर में औपचारिकता

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद नीमच में जहां बसों के संचालन पर लगातार कारवाई हो रही है। वहीं मंदसौर में औपचारिकता निभाई जा रही है। नीमच में यातायात थाना प्रभारी उर्मिला चौहान के नेतृत्व में टीम ने मैसी शोरूम चौराहे सहित कई स्थानों पर जांच की। टीम ने वाहनों में फिटनेस, परमिट, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स और ओवरलोडिंग की जांच की।

जांच में कुल 100 चालान काटे गए। इनमें फिटनेस के 02, परमिट के 04 और अग्निशमन यंत्र के 13 मामले सामने आए। फर्स्ट एड बॉक्स के 08, बीमा का 01, बिना वर्दी के 11 और वायु प्रदूषण का 01 मामला पाया गया। ओवर स्पीड के 05 और अन्य 55 मामलों में भी कार्रवाई की गई। बस संचालकों को यात्रियों की सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। आगे स्कूल बसों की जांच की योजना है। स्कूल संचालकों को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन भेजी गई है। स्कूल बस चालकों का चरित्र सत्यापन भी कराया जाएगा। इधर मंदसौर में यातायात विभाग और यातायात पुलिस द्वारा पूरी तरह सुस्ती अपनाई जा रही है।

## शाह की गंदगी में यह आपत्तियां भी दर्ज करें...

एक होते हैं इंद्रेश कुमार। एक होता है मुस्लिम राष्ट्रीय मंच। एक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकारी मंडल के सदस्य हैं और दूसरा उसका अनुषांगिक संगठन, जो राष्ट्रवादी मुस्लिमों के बीच काम करता है या फिर मुस्लिम समुदाय को राष्ट्रवाद के अपने तौर तरीके बताता सीखाता है। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरेशी पर की गई घटिया और अभद्र टिप्पणी पर संघ के इस संगठन की प्रतिक्रिया सबसे पहले आनी चाहिए थी। अब कर्नल सोफिया कुरैशी या उनके खानदान के बारे में लोग इतना जान चुके हैं कि उनके राष्ट्रवादी होने पर किसी तरह का सवाल ही नहीं उठता है। तो मुस्लिमों को संघ से जोड़ने वाले इस संगठन को क्या ऐसे समय चुप रहना था? और तो और क्या संघ को ही ऐसे मंत्री को निकाल बाहर करने के निर्देश नहीं देने थे मोहन सरकार को? यह तो हुई इस प्रकरण पर पहली आपत्ति।

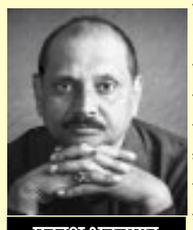

प्रकाश भटनागर

इस मामले में दूसरी आपत्ति मध्यप्रदेश हाईकोर्ट पर भी है। बात केवल मध्यप्रदेश की ही नहीं है, देश भर में नेताओं की जुबानें विपक्षियों पर जहर उगलती हैं। इस मामले में हमाम में सभी राजनीतिक दल और नेता अपनी पैदाईशी वास्तविकता में हैं। यहां विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर कुछ कहा तो उत्तरप्रदेश में रामगोपाल यादव को विंग कमांडर व्योमिका सिंह की जात याद आ गई। ऐसे ढेरों उदाहरण हाल के एक दो दशकों में भरे पड़े हैं। कितने मामलों में अदालतों ने स्वत: संज्ञान लिया है? क्या इस अदालती कार्रवाई के पीछे भी कोई वैचारिक सोच काम कर रही है।

इस मामले में एक और बात ध्यान खींचती है। निश्चित है कई मर्तबा यह ज्यूडिशियल एक्टिविज्म का दौर दिखता है। लेकिन, विजय शाह जैसे प्रकरण के सू मोटो संज्ञान वाले मामले कम ही दिखते हैं। चार घंटे में ही एफआईआर दर्ज करने का आदेश भी संदेह पैदा करता है। लोगों को यह भी याद है कि दिल्ली हाईकोर्ट के जिस जज के बंगले पर करोड़ो के जले नोटों की पुष्टि हुई है, उसकी एफआईआर आज भी दर्ज नहीं है। विजय शाह मामले में सारी जांच की मानिटरिंग का फैसला भी संदेह पैदा करता है कि आखिर माननीय चाहते क्या हैं? कोर्ट के पास चालान जमा होने के समय भी उसमें खामियां निकालने का मौका होता है। इसलिए इस अति में वह दृश्य सहज रूप से याद आ जाता है, जब सुप्रीम कोर्ट अपने द्वारा ही घोषित फांसी की सजा पाए अपराधी याकूब मेमन को बचाने वालों की खातिर आधी रात को खुद के ही दरवाजे खोल देती है। क्या वही आधी रात वाले चेहरे फिर पूरी ताकत के साथ विजय शाह के मामले में भी अपना असर दिखा गए हैं? भाजपा तो शाह के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में आ ही गई थी। लेकिन, कोर्ट का दखल इस पार्टी को इसलिए रोक गया कि उसने अदालती निर्णय आने तक खुद को न्याय व्यवस्था के सम्मान में खड़ा कर लिया?

इस मामले में गलती पर भाजपा भी है। यह प्रकरण सामने आते ही भाजपा को विजय शाह से इस्तीफा मांग लेना था या फिर मुख्यमंत्री को ऐसे मंत्री को बर्खास्त करने का कदम उठा लेना चाहिए था। अब भाजपा दो कारणों से विजय शाह को फिलहाल बचा रही है। एक तो हो गया अदालती दखल और इस दखल के पीछे भाजपा को जो नजर आ रहा है वो है वही आधी रात वाले अदालती चेहरे। लिहाजा, भाजपा अब इस मामले में अदालत के फैसले पर आ कर टिक गई है। मामला अब न्यायालय में विचाराधीन हो गया।

क्या इसके अलावा विजय शाह को मंत्रिमंडल से बाहर का रास्ता दिखाने में कोई अड़चन आनी चाहिए। विजय शाह के आदिवासी नेता होने का जो ढिंढोरा पीटा जा रहा है, उसमें दम नहीं है। एक विधानसभा सीट से लगातार जीतने भर से कोई आदिवासियों या गोंड आदिवासियों का नेता नहीं हो जाता। अगर ऐसा है तो भाजपा का वर्तमान नेतृत्व अपना अतीत भूल रहा है। भाजपा ने जनसंघ के जमाने में भी धार और खरगौन जैसे लोकसभा क्षेत्रों और निमाड़ के कई विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव जीते हैं, जब ले देकर पूरे देश में ही कांग्रेस का बोलबाला था। शिवराज के कार्यकाल में अपनी अभद्र टिप्पणी पर चार महीने के लिए मंत्रिमंडल से बाहर होकर उनकी वापसी भी मेरे लिए तो सवालों के दायरे में ही है। यह भी समझ से परे है कि आखिर विजय शाह में ऐसे कौन से सुरखाब के पर लगे हैं कि वो अब अकेले ऐसा नेता हो गए जो भाजपा की सरकार में 2003 से अब तक लगातार मंत्री हैं।

भाजपा की तो बात ही जाने दीजिए, आज कांग्रेस या किसी भी दीगर पार्टी में कौन सा बड़ा आदिवासी नेता है, जिसके नाम पर पूरे प्रदेश के आदिवासी वोट एकजुट हो सकते हैं। और फिर 2003 से 23 तक भाजपा ने जो चुनाव जीते हैं, उनमें विजय शाह ने अपने अलावा कितनों को चुनाव जीता दिया, क्या इस हकीकत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ नहीं है। ऐश-अय्याशी के लिए जिसकी व्यापक पहचान है, भाजपा उसकी चिंता में दुबली होगी, यह समझ से परे है। भाजपा ने आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़, उड़ीसा और झारखंड में भी चुनावी सफलताएं पाई हैं। मध्यप्रदेश के अलग-अलग आदिवासी बहुल क्षेत्रों में उसकी प्रभावी और मजबूत उपस्थिति है। इसमें विजय शाह की क्या भूमिका होगी, इससे पार्टी नेतृत्व अनजान तो होने से रहा।

फिर से आते हैं, संघ पर। कर्नल कुरैशी तो अपनी सेना के अनुशासन के सम्मान में चुप है। और जो कच्ची-पक्की वाले अंदाज में इन्हीं कुरैशी के लिए ऊ टपटांग कह गए, वो चांडाल आचरण को दोहराने पर आमादा हैं। विजय शाह अपनी जुबानी गंदगी उडेलने के बाद जब कहते हैं कि मंत्री पद नहीं छोडूंगा, तब मुझे इंद्रेश कुमार मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की याद आ गई। यकीनन आरएसएस को लेकर यह अवधारणा है कि ये मुस्लिम विरोधी है। लेकिन, यह तथ्य तो सूरज की पहली किरण की तरह साफ है कि राष्ट्रवादी मुस्लिम, संघ को हृदय से स्वीकार्य हैं। तो क्या इंद्रेश जी की यह चुप्पी सोफिया कुरैशी के राष्ट्रवाद को नकार रही है? क्यों नहीं अब तक इनकी तरफ से बोला गया कि विजय शाह का इस्तीफा लिया जाए?

आप किससे डर रहे हैं? उन विजय शाह से, जिनका हरसूद से आगे कोई सियासी वजूद ही नहीं है! खानदानी लोग पुण्य कर गए कि उन्हें उस इलाके के आसपास का कुंवर बना गए। बाकी विजय शाह हैं क्या? हरसूद की अपनी बीते आठ विधानसभा चुनाव की बनावट से बाहर आ कर कहीं और से चुनाव लड़ लें? उन्हें दूध और पानी का अंतर पता चल जाएगा। बड़ी बातें प्रायोजित की जा रहीं हैं। विजय शाह आदिवासी सेना बना कर भाजपा से बगावत कर देंगे। जब भाजपा मध्यप्रदेश में वीरेन्द्र कुमार सकलेचा से लेकर उमा भारती तक की बगावत से नहीं डरी तो फिर विजय शाह तो क्या पिद्दी और क्या पिद्दी का शोरबा की हैसियत में भी नहीं है।

भाजपा के अन्य आदिवासी नेताओं का क्या, जिन्होंने साल 2003 के विधानसभा चुनाव में झाबुआ में पहली बार कांग्रेस को सभी सीटों पर चुनाव हरा दिया था। तब भाजपा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को चुनाव परिणाम आने के दौरान यह कहने के लिए मजबूर कर दिया था कि यदि झाबुआ हार गए तो समझो पूरा प्रदेश हार गए। तो फिर इतने तपस्वी आदिवासी नेताओं के बीच भाजपा की यह क्या मजबूरी है कि लड़खड़ाते शरीर वाले गंदगी से बजबजाती जुबान वाले विजय शाह को यूं झेलते रहें?

### मामला नपा के अधिग्रहण वाले नौ कुओं का...

# पत्राचार के खेल में निकाल दी आधी ऊपर गर्मी

## टैंकरों के माध्यम से कुओं का पानी धड़ल्ले हो रहा सप्लाय, तगड़ी मिलीभगत की आशंका

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** चंबल योजना के पूरी तरह से पटरी पर नहीं आने के कारण कालाभाटा और शिवना पर निर्भरता अभी भी बनी हुई है। इधर कालाभाटा और शिवना भी पूरी तरह से साथ नहीं निभा पा रहे। पूरी गर्मी निकालने के लिए नगरपालिका तैलिया तालाब क्षेत्र के नौ कुओं का अधिग्रहण करती है। लेकिन, हर बार यह अधिग्रहण सवालों के घेरे में रहता है। इसका कारण है कि अधिग्रहण औपचारिकता ही बन जाता है। इस बार भी यही हुआ। आधी गर्मी निकलने के बाद भी पत्राचार-पत्राचार का खेल चल रहा है। पहले अधिग्रहण की कर्यवाही में देरी। फिर कनेक्शन काटने के बाद जोड़ दिया गया। कुल मिलाकर इस खेल में कुओं का जलस्तर भी लगतार कम होता जा रहा है। इधर, तेलिया तालाब का पानी कम होने के साथ ही आसपास के कुओं में भी पानी कम होने लगा है।

आधी गर्मी बीतने के बाद नपा को तैलिया तालाब के समीप के 09 कुओं का अधिग्रहण याद आया और पत्र भेजा। कुओं के अधिग्रहण के बाद जब तक

बिजली कनेक्शन काटे जाते तब तक आधे से अधिक गर्मी का दौर बीत गया। विडबंना तो यह भी है कि फिर से बिजली कनेक्शन जोड़ दिए गए और अब इन कुओं से धड़ल्ले से पानी बेचा जा रहा है। इन्हीं कुओं से हर दिन बड़ी मात्रा में पानी टेंकरो से शहर में बेचा जा रहा है। पानी बेचने के साथ हर दिन जलस्तर कम हो रहा है। पहले एसडीएम की अनुमति के लिए मामला अटका तो अब नपा की चिट्ठी बिजली कंपनी के दफ्तर में पहुंची और कनेक्शन काटने के बाद फिर से जोड़े तो नपा ने फिर आपत्ति ली। लेकिन, कनेक्शन काटने में बिजली कंपनी का अमला रुचि नहीं ले रहा है। नपा अब तक भी इंतजार कर रही है। ऐसे में शहर में जलसंकट गहराता जा रहा है। मिलीभगत के कारण ही कनेक्शन नहीं कट पा रहे है और अधिग्रहित कुओं से पानी बेचा जा रहा है।

### जलसंकट से निपटने की योजना का हिस्सा है कुएं...

ग्रीष्म ऋतु में शहर में पेजयल संकट के हालात न बने इसके लिए नगरपालिका द्वारा तेलिया तालाब के आसपास के करीब 09 कुओं का अधिग्रहण किया जाता है। कुओं का अधिग्रहण पेयजल संकट से निपटने की योजना का हिस्सा है। लेकिन, यह आधी गर्मी बीतने के बाद नपा को याद आया। प्रशासनिक प्रक्रिया और बिजली कंपनी से कनेक्शन कटवाने में ही गर्मी का अधिकांश समय बीत गया और टैंकरों से कुओं का पानी बड़ी रकम में हर दिन बेचा जा रहा है। नपा यह सब होते देख रही है। लेकिन, कनेक्शन कटवाने और अधिग्रहित कुओं का पानी लेने के लिए गंभीरता नहीं दिखा रही है।

### शुरुआत से ही दिखी लापरवाही...

✻ तेलिया तालाब के आसपास क्षेत्र के 09 कुओं को अधिग्रहण करने में नपा ने पहले ही देरी की। ✻ गर्मी आने के बाद नपा ने इसके लिए पत्राचार शुरू किया। पत्राचार और अधिग्रहण में ही पूरा मार्च बीत गया। ✻ अधिग्रहण हुआ तो भी कनेक्शन काटने के बाद फिर से जोड़ दिए गए। ✻ अब कनेक्शन फिर काटने के लिए पत्र लिखा गया है।

### इधर नदी का जलस्तर हो रहा कम...

कालाभाटा और शिवना नदी में तेजी से पानी खाली हो रहा है। इसके बावजूद जल संकट से निपटने या संकट को टालने में नगरपालिका गंभीर नहीं है। तालाब के आसपास के कुओं को अधिग्रहण में नपा ने पहले देरी की अब कनेक्शन दोबारा जोड़ने के कारण पानी बिक रहा है। इसी प्रकार उदासीन रवैया रहा तो पानी बिक जाएगा। कुओं से धड़ल्ले से टैंकर भरकर पानी बेचा जा रहा है। कुआ मालिकों द्वारा प्रतिदिन दर्जनो टैंकर भरकर पानी बेचा जा रहा है। शहर में घरों पर जिन टैंकरों से पानी लोगों द्वारा खरीदा जाता है, उनमें से अधिकांश टैंकर तेलिया तालाब के आसपास स्थित उन कुओं से ही भरा जा रहा है।

# कांग्रेस में जल्द होगी जिलाध्यक्ष की नियुक्ति

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस के गुजरात समेलन के निर्णयों पर अमल अभी भी होना है। प्रदेश में जिलाध्यक्षों को पॉवरफुल किया जाना है। इसकी गाइडलाइन तय हुई थी, अब कांग्रेसियों को इस पर अमल का इंतजार है। जिलाध्यक्ष अब उम्रर से नहीं थोपे जाएंगे। इनकी नियुक्ति में स्थानीय नेताओं, कार्यकर्ताओं की राय अहम होगी।**

बता दें कि मध्यप्रदेश के आधे से ज्यादा जिलाध्यक्षों की कुर्सी खतरे में है। यहां नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति होना है। इसके लिए खोजबीन तेज हो गई है। इधर मंदसौर की बात करें तो विधायक और जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपीन जैन पहले ही अध्यक्ष पद से इस्तीफे की पेशकश कर चुके हैं। मतलब मंदसौर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष का बदलाव जल्द देखने को मिल सकता है। बताया जाता है कि जिलाध्यक्ष की नियुक्ति में गुजरात फार्मूला लागू किया जा सकता है। जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए एआईसीसी की ओर से जिला स्तर पर एक ऑब्जर्वर नियुक्त होगा। प्रदेश कांग्रेस की ओर से भी ऑब्जर्वर जिला अध्यक्ष के नाम खोजने में मदद करेंगे। प्रत्येक जिले में पार्टी अध्यक्ष चुनने के लिए पांच सदस्यों की समिति बनाई जाएगी। इसमें एक केंद्रीय और चार राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक शामिल होंगे। ये समितियां अपने-अपने जिले का दौरा करेंगी और जिलाध्यक्ष के चयन से पहले स्थानीय नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगी।

### बदलाव की कवायद...

कांग्रेस संगठन में कसावट के साथ बदलाव की भी कवायद चल रही है। इसमें जिले के संगठनात्मक से लेकर ब्लॉक स्तर तक बदलाव शामिल हैं। इसी के तहत शहर एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष की नियुक्ति होना है। लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओ को नई और अहम जिमेदारियां दी जाएंगी। एक्टिव लोगों को मौका दिया जाएगा।

### दलित-आदिवासी, ओबीसी को प्राथमिकता...

जिलाध्यक्षों के चयन में अब कांग्रेस आदिवासी, दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को प्राथमिकता देगी। बताया जाता है कि मौजूदा समय में प्रदेश में पार्टी के 72 संगठनात्मक जिलों में से 66 में वर्तमान में जिलाध्यक्ष हैं। 6 जिलों में अध्यक्ष के पद रिक्त हैं।

# बेशकीमती मकान पर कब्जा करने का प्रयास करने वाले बदमाशों पर प्रकरण दर्ज

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** भाई के बेशकीमती मकान पर कब्जा करने के लिये भतीजा आधा दर्जन बदमाशों के साथ पहुंचा था। मकान में घुसकर अवैध कब्जा करने का प्रयास करते हुए अवैध वसूली की मांग की गई। इसके बाद गाली गलौज और मारपीट भी की गई। पुलिस ने इस मामले में भतीजे राहुल जाखरा सहित छह बदमाशों पर विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया हैं। बता दें की मामले की शिकायत पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद के पास पहुंची थी। उन्होंने स्वयं पुरे मामले को समझा और शहर कोतवाली पुलिस को निर्देशित किया की गुंडागर्दी करने मैदान में उतरी नई गैंग को पनपने से पहले ही कुचल दिया जाये। यही कारण हैं की शहर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही की।

पुलिस ने बताया कि संतोष पिता मोहनलाल कुमावत निवासी संतोष विहार कॉलेनी रामटेकरी ने शिकायत दर्ज कराई। जिसमें उसने बताया कि नरेश पिता मंगल कोटियाना निवासी बारह क्वाटर, रोहित पिता अनिल शर्मा निवासी लेबर कॉलोनी, चेतन पिता जगदीशचंद्र डगले, नितेश पिता मुकेश घारु निवासी मदारपुरा और राहुल पिता ओमप्रकाश जाकरा निवासी संतोष विहार कॉलोनी सहित एक अन्य ने दुकान में घुसकर मारपीट और गाली गलौज कर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया। फरियादी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम के सामने स्थित दुकान और मकान का विवाद उसके भाई ओमप्रकाश कुमावत से चल रहा है। मामला न्यायालय में है। 14 मई को आरोपी मकान पर आए और मकान खाली करने की धमकी दी और एक लाख रुपए मांगने लगे। इसी दौरान दुकान का ताला तोडने की कोशिश की गई। इसके बाद फरियादी के बेटे शुभम के साथ मारपीट की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 333, 119 (1), 296, 115 (2), 351 (2), 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया है।

# छुट्टी ले सकेंगे सरकारी अधिकारी-कर्मचारी

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस। तेरह सरकारी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी अब अपनी सुविधा के मुताबिक कभी भी अवकाश ले सकेंगे। राज्य शासन ने एक हफ्ते पहले भारत-पाकिस्तान युद्ध की आशंका के चलते इन विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवाएं अनिवार्य मानते हुए अवकाश पर रोक लगा दी थी। सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार को जारी आदेश में यह प्रतिबंध हटा दिया है।**

सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार 09 मई को 13 विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। भारत-पाक जंग की आशंका के मद्देनजर जारी आदेश में कहा गया था कि शासकीय सेवक अपने मुख्यालय पर अनिवार्य रूप से मौजूद रहेंगे। विषम परिस्थितियों में खुद या परिवार में विवाह की स्थिति या प्रसूति और संतान पालन, गंभीर बीमारी, दुर्घटना, स्वयं के परिवार में घटित अप्रत्याशित घटना आदि मामलों में जिला स्तर पर कलेक्टर और राज्य स्तर पर विभाग के सचिव द्वारा छुट्टी मंजूर कराने और अनुमति के बाद ही अवकाश लिए जा सकेंगे। इन विभागों के शासकीय सेवकों को अति आवश्यक स्थिति होने पर ही अवकाश दिए जाएंगे।

जिन विभागों के अवकाश पर रोक लगाई गई थी, उसमें लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग, गृह विभाग, ऊर्जा विभाग, नगरीय विकास और आवास विभाग, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग शामिल थे। इसके साथ ही खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, जल संसाधन विभाग, नर्मदा घाटी विकास विभाग, परिवहन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के अवकाश पर रोक लगाई गई थी।

## एक करोड़ से ज्यादा की एमडी के साथ गिरफ्तार आरोपी आठ दिन की रिमांड पर

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस की नारकोटिक्स विंग की मंदसौर इकाई द्वारा एक किलो 100 ग्राम एमडी के साथ तीन लोगो को पकडा था। गिरफ्तार आरोपियों में से एक शमसुद्धिन 41 किलो अफीम मामले में राजस्थान जैल से पेरोल पर से फरार था। तीनो को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से दो का 08 दिन का रिमांड मिला। जबकि, एक को न्यायालय ने जैल भेज दिया।**

नारकोटिक्स विंग द्वारा गिरफ्तार शम्सुद्दीन उर्फ अन्नू पिता इब्राहिम शैख़ उम्र 32 वर्ष निवासी मदारपुरा मंदसौर, यामीन ख़ान पिता मोहम्मद यूसुफ़ ख़ान उम्र 47 वर्ष निवासी गौस पाक का साई बाबा मंदिर के पास नया नगर माहिम वेस्ट मुंबई, समीर शेख़ पिता जाकिर शेख़ उम्र 50 वर्ष निवासी नयानगर माहिम मुंबई को न्यायालय में पेश किया गया। आरोपियों में से एक शमीम को जैल भेजनें के साथ दो अन्य को 23 मई तक विंग की रिमांड पर सौंपा गया हैं। अब विंग आरोपी को लेकर मुंबई जाएगी। मामले के तार बॉलीवुड से भी जुड सकते हैं।

### दो थाना पुलिस की कार्यवाही...

# साढ़े छह क्विंटल डोडाचूरा, दो किलो अफीम जप्त

## तीन आरोपियों को पकड़ा, एक की तलाश

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** जिले की दो थाना पुलिस ने अवैध रूप से परिवहन किये जा रहे मादक पदार्थ की खेप पर हल्ला बोला है। मामले में तीन आरोपियो को गिरफ्तार किया गया है। जबकि, एक की तलाश जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नई आबादी और भानपुरा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थो की तस्करी के खिलाफ कारवाई की है। जिसमें नई आबादी पुलिस ने ट्रक से 646 किलो 400 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जब्त किया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक

आरोपी की तलाश जारी है। वहीं भानपुरा पुलिस ने दो किलो अफीम के साथ दो आरोपियों को पकड़ा है। दोनो मामलो में आरोपियो के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में प्रकरण दर्ज किया गया है।

### सोयाबीन बड़ी के कट्टों में छिपाकर हो रही थी तस्करी...

नई आबादी पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना मिलने पर नालछामाता फंटा के पास हाईवे पर दबिश दी गई। इस दौरान 12 चक्का ट्रक आरजे 04 जीसी 8155 को रोका गया। ट्रक की तलाशी ली गई। जिसमें सोयाबीन बड़ी के कट्टो के नीचे छुपा कर रखे 32 खाकी रंग के प्लास्टिक के कट्टो मे भरा अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा कुल 646 किलो 400 ग्राम मिला। पुलिस ने मामले में दुर्गा राम पिता बीरमाराम जाट उम्र 50 साल निवासी थाकणो की ढाणी अकदडा थाना बायतु जिला बालोत्रा राजस्थान को गिरफ्तार किया है। मामले में फरार आरोपी गोविन्दसिंह की तलाश जारी है।

### अफीम के साथ दो धराए...

भानपुरा पुलिस को गांधी सागर तरफ से भानपुरा बायपास से राजस्थान की तरफ एक्सप्रेस वे रास्ते पर सफेद रंग की ईको स्पोर्ट कार से अफीम तस्करी की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दबिश दी। पुलिस ने मौके से आरोपी हंसराज पिता राधेश्याम सुतार उम्र 29 साल निवासी जुल्मीरोड एचएस कालोनी रामगंजमण्डी जिला कोटा (राज.) और शंकरलाल पिता पूरणमल सुतार उम्र 27 साल निवासी टोलु का लुवारिया थाना जावदा जिला चित्तौडगढ (राज.) को गिरफ्तार किया। इनके पास से दो किलो अफीम और कार जब्त की गई।

विचार-मंथन

# 'आपरेशन सिंदूर' से साफ संदेश...



भारत-पाक संघर्ष विराम के बाद प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। आतंकवाद और बातचीत या व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते। सैन्य संघर्ष फिलहाल स्थगित किया गया है, वह समाप्त नहीं हुआ है। आपरेशन सिंदूर अब भारत की नई नीति है। इससे पहले तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने संयुक्त रूप से बयान जारी किया था कि संघर्ष विराम अस्थायी है, सेना नए अभियान के लिए तैयार है। फिर राष्ट्र के नाम संबोधन के अगले दिन प्रधानमंत्री आदमपुर वायुसेना अड्डे पर सैनिकों से मिलने गए और वहां भी यही संकेत दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति यथावत है। इस तरह अचानक किए गए संघर्ष विराम के फैसले को लेकर पिछले दो-तीन दिनों से जो अटकलें लगाई और सवाल उठाए जा रहे थे, उन पर विराम लग जाना चाहिए। सेना बार-बार कहती रही है कि उसका सैन्य अभियान आतंकवाद के खिलाफ था। अब भी प्रधानमंत्री ने वही बात दोहराई है कि आतंकवाद को नेस्तनाबूद करना ही हमारा असल मकसद है। प्रधानमंत्री ने प्रकारांतर से पाकिस्तान और भारत के बीच के मसलों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता के प्रस्ताव पर स्पष्ट कह दिया कि जब भी बात होगी तो पाक अधिकृत कश्मीर और आतंकवाद पर ही होगी। पहलगाम हमले के बाद आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए थे। इसके साथ ही सरकार ने सप्रमाण दुनिया भर को बता दिया था कि उसका मकसद पाकिस्तान पर नहीं, बल्कि वहां चल रहे आतंकी संगठनों पर हमला करना था। मगर पाकिस्तान ने उसके जवाब में भारतीय सीमा के नागरिक ठिकानों पर गोलाबारी शुरू कर दी थी, जिसका जवाब देना जरूरी हो गया था। ऐसे में स्थिति लगातार संघर्ष के बढ़ते जाने की बन गई थी। संघर्ष किस हद तक पहुंच जाता, कहना मुश्किल है। इसलिए सैन्य संघर्ष पर विराम और आतंकवाद के खिलाफ नई रणनीति बनाना जरूरी था। भारत शुरू से कहता रहा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। फिर, उसका जोर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और दुनिया की शीर्ष शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होने पर है। ऐसे में पाकिस्तान के साथ लंबे समय तक सैन्य संघर्ष में उलझे रहना कोई समझदारी की बात नहीं होती। फिर, जिस तरह के वैश्विक समीकरण बने हैं, उसमें यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित रह पाता, यह कहना भी मुश्किल था। इसके अलावा, दुश्मन देश के साथ तनाव के वातावरण में अगर कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहा हो तो उसे ठीक नहीं कहा जा सकता। संघर्ष विराम के बाद भी सीमा पर पाकिस्तानी सेना की तरफ से गोलीबारी थमी नहीं है। सेना ने आशंका जाहिर की है कि ऐसा वह आतंकवादियों की घुसपैठ कराने और हमारी चौकियों पर कब्जा करने की मंशा से कर रही होगी। शोपियां में तीन आतंकवादियों के मार गिराने की घटना भी संघर्ष विराम के बाद की है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान पर किसी भी तरह विश्वास नहीं किया जा सकता। इस सैन्य संघर्ष के समय यह एक बार फिर उजागर हो गया कि पाकिस्तानी सेना का आतंकी संगठनों के साथ गहरे रिश्ते हैं। ऐसे में, अगर भारतीय सेना ने नई रणनीति के लिए कुछ समय का विराम लिया है, तो इसे अनुचित नहीं कहा जा सकता।

# युद्धकाल में सेना व सरकार के शौर्य और रणनीति पर सवाल उचित नहीं

**दीपक कुमार त्यागी**



पूरी दुनिया यह अच्छे से जानती है कि इस्लामिक देश पाकिस्तान आतंक व आतंकियों को पालता-पोसता है और उनके नापाक मंसूबों को पूरा करने में सहयोग देता है। फिर भी दुनिया के ताकतवर देश पाकिस्तानी उर्फ आतंकिस्तान के द्वारा पनाह दिये गये आतंकियों से पीड़ित होने के बाद भी उसको आतंकी देश तक घोषित नहीं करते हैं। वहीं पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षित जगहों पर पनाह लिए हुए मानवता के सबसे बड़े दुश्मन आतंकवादियों के खिलाफ़ लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले उनके खात्मे के लक्ष्य को लेकर के मां भारती के वीर जांबाज सपूतों ने 6-7 मई 2025 की रात को जान हथेली पर रखकर के 1 बजकर 4 मिनट ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर दिया था। जिस ऑपरेशन के अंतर्गत पीओके व पाकिस्तान में घुसकर के आतंकियों के 9 महत्वपूर्ण लक्षित ठिकानों पर सेना के वीर योद्धाओं ने एयर स्ट्राइक की थी। पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों पर एयर स्ट्राइक करने की खबर सुनते ही पूरी दुनिया भौंचक्का रह गई थी। एयर स्ट्राइक के बाद आतंकियों के आका पाकिस्तान ने भारत के शहरों, सैन्य ठिकानों, स्कूल, कॉलेज, गुरुद्वारा, मंदिर, अस्पताल आदि को गोलीबारी, बमबारी, ड्रोन, मिसाइल आदि से निशाना बनाना शुरू कर दिया था। लेकिन जब कुछ समय के बाद ही भारतीय वीरों ने पाक के इस दुस्साहस का जवाब बहुत जबरदस्त ढंग से धरातल पर देना शुरू कर दिया, तो उससे पाक के विभिन्न शहरों में भारी जान-माल का नुक़सान होना शुरू हो गया था, जिसे देखकर के पाकिस्तान की सेना व बड़बोले हुक्मरानों के पैरों तले से जमीन खिसकने लग गई थी, वह भारत के साथ-साथ दुनिया भर के देशों से अपनी जान बचाने के लिए मदद करने की गुहार लगाने लग गया था। हालांकि भारत के हुक्मरानों ने भी दो टूक शब्दों यह स्पष्ट कर दिया था कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है, लेकिन शांति की बातों का चोला ओढ़कर के भारत में आतंकवाद फैलाने का का काम अब एक साथ नहीं चल सकता है, अब तो पाकिस्तान के द्वारा भारत में प्रायोजित आतंकी घटना भारत के खिलाफ़ पाक के द्वारा युद्ध माना जायेगा और भारत पाकिस्तान को गोली का जवाब अब गोले से देने का कार्य करेगा। जिससे भयभीत होकर पाक ने 10 मई की दोपहर को भारत के डीजीएमओ से फोन पर सीजफायर करने के लिए बात की, जिसके चलते ही 10 मई की शाम को दोनों देशों के बीच सीजफायर की घोषणा हो गयी। लेकिन सीजफायर की घोषणा होती ही जो राजनीतिक दल पाकिस्तान के खिलाफ़ हर तरह की छोटी-बड़ी कार्रवाई में भारत सरकार के साथ एकजुट होकर खड़े हुए थे, उसमें से कुछ दलों के चंद राजनेताओं ने अब क्षणिक राजनैतिक लाभ हासिल करने के लिए सेना व मोदी सरकार के शौर्य और रणनीति पर प्रश्नचिन्ह लगाना शुरू कर दिया। जबकि सरकार ने नपे-तुले शब्दों में ही सीजफायर करने की घोषणा करते समय ही दुनिया से स्पष्ट कर दिया था कि भारत युद्ध का पक्षधर नहीं है लेकिन आतंक व आतंकियों के खिलाफ़ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति सख्ती के साथ जारी रहेगी, आतंकवादियों के आकाओं को अब बख्शा नहीं जायेगा। लेकिन फिर भी क्षणिक स्वार्थ व ओछी राजनीति के चलते हुए ही युद्धकाल के दौर में ही चंद लोगों व राजनेताओं के द्वारा सेना व सरकार के शौर्य और रणनीति पर सवाल खड़े करने शुरू करने की साजिश देश में बहुत ही तेजी से होने लगी है। वैसे देखा जाए तो यह वही चंद लोग हैं जो जंग के समय भी सोशल मीडिया के ताकतवर प्लेटफार्म पर देश के दुश्मनों के साथ खुलकर खड़े थे और यह गैंग भारतीय सेना की कार्रवाई पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए पाकिस्तान को लाभ देने वाली पोस्ट तक सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर करने में लगे हुए थे, जो कि देशहित में बिल्कुल भी उचित नहीं है। हालांकि 7 मई 2025 की सुबह भारत सरकार की प्रेस ब्रीफिंग से जब दुनिया को यह पता चला कि भारत की वीर सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर के पहलगाम की ÷बैसरन घाटी÷ में हुए आतंकी हमले का बदला पाक में एयर स्ट्राइक करके ले लिया है, जिसमें सैकड़ों की संख्या में पाक के दुर्दांत आतंकियों के साथ-साथ आतंकियों के ट्रैनिंग सेंटर व लांच पैड तक तबाह हो गये हैं, तो उस वक्त सब भारत की वीरता को देख आश्चर्य चकित थे। भारत के हमलें में भारी नुकसान उठाने के बाद से पाक के षड्यंत्रकारी हुक्मरान बुरी तरह से तिलमिला उठे हैं, जिसके चलते ही उन्होंने भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में सीजफायर का उल्लघंन करते हुए भारी गोलीबारी करनी शुरू कर दी थी, जिसमें हमारे कुछ वीर योद्धा व आम नागरिक भी शहीद हुए। रात में पाकिस्तान ने भारत में बहुत सारी जगहों पर ड्रोन व मिसाइल से हमला करके एक तरह से भारत के खिलाफ़ एक अघोषित युद्ध की शुरुआत कर दी थी। हालांकि इन हमलों को हमारे वीर योद्धाओं ने विफल करते हुए पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई करके उसको मुंहतोड़ जवाब देना शुरू कर दिया था, जिससे पाकिस्तान के अंदर से जान-माल के बहुत बड़े नुकसान की खबरें अब बाहर आने लग गयी थी। जिससे आम लोगों की नजरों में सेना के मां भारती के वीर सपूतों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी वीर नायक के रूप में छवि बन रही थी, जिस देखकर के मोदी विरोध में अंधे गैंग ने भारत के वीर योद्धाओं व सरकार पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए, सोशल मीडिया पर हैसटैग चला कर तत्काल भारत पाकिस्तान के इस अघोषित युद्ध को रोकने की मांग तक कर डाली थी। लेकिन मोदी सरकार ने सेना के वीर योद्धाओं पर पूरा भरोसा जताया। जिसके चलते ही भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ़ ÷छेड़ेंगे तो छेड़ेंगे नहीं घर में घुसकर मारेंगे÷ की रणनीति पर तेजी के साथ युद्ध के मैदान में कार्य करना शुरू कर दिया था। सेना के वीरों ने पाकिस्तान के बड़े महत्वपूर्ण शहरों, सैन्य एयरबेस, सैन्य ठिकानों में लक्षित स्थलों को तय रणनीति के साथ ध्वस्त करने का कार्य बखूबी किया था। जिसे देखकर के भारत के बहुत सारे देशभक्त आम लोगों को लगता था कि अगले चंद दिनों में पीओके भारत के पास वापस आ जायेगा और आतंकियों के आका पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े होकर के नक्शे से उस देश का हमेशा के लिए वजूद मिट ही जायेगा। लेकिन 10 मई 2025 को कूटनीति के चलते भारत को भी सीजफायर के लिए अपने द्वारा तय की गयी शर्तों पर सहमति देनी पड़ी थी।

# सीजफायर का श्रेय लेने की कोशिश में अमेरिका

**सूरज तिवारी**



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब में एक बार फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर श्रेय लेने की कोशिश की। ट्रंप ने न केवल इस लड़ाई को रोकने का श्रेय लिया बल्कि उन्होंने ये भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान परमाणु हमले की तरफ बढ़ रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने दोनों देशों से धमकी भरे लहजे में कहा कि अगर दोनों देशों के बीच तनाव कम नहीं हुए तो अमेरिका उनके साथ व्यापारिक संबंध रोक देगा। हालांकि सबसे महत्वपूर्ण सवाल ये है कि भारत पाकिस्तान संघर्ष को लेकर सरकार ट्रंप के बयान को खारिज क्यों कर रही है? दरअसल दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर ट्रंप ने ही सबसे पहले सोशल मीडिया के जरिए से लोगों से जानकारी शेयर की थी। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष 6-7 मई (मंगलवार-बुधवार) की रात से शुरू हुआ था, जब भारत ने पाकिस्तान स्थित कई आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। इसके बाद से दोनों देशों के बीच फायरिंग और ड्रोन अटैक होने लगे। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी बनती जा रही थी कि दोनों देशों के बीच बढ़ता तनाव कभी भी युद्ध का रूप ले सकता था। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते शनिवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की खबर दी। उन्होंने दावा किया कि दोनों ही देश तत्काल प्रभाव से सीजफायर के लिए सहमत हो गए हैं और ये समझौता संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी बातचीत के बाद हुआ। इसके ठीक बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी सीजफायर का श्रेय लेने की कोशिश की। सबसे महत्वपूर्ण बात ये कि भारत सरकार ने ट्रंप के बयान वाले दिन खंडन नहीं किया। हालांकि फिर बाद में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रंप के दावों को खारिज कर दिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार 10 मई को इस बात की पुष्टि की थी कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने दोपहर 3.35 बजे भारतीय डीजीएमओ से फोन पर सीधी बातचीत की थी। उन्होंने ये भी बताया कि पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की ओर से शनिवार दोपहर 12.37 बजे ही रिक्वेस्ट भेजा गया था लेकिन कुछ तकनीकी समस्या की वजह से दोपहर 3.35 बजे बात हो पाई। आगे उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत हुई है किसी तीसरे देश की कोई मध्यस्थता का कोई सवाल ही नहीं है। जबकि विदेश मंत्रालय ने इस बात से भी इनकार किया कि पाकिस्तान से लड़ाई के दौरान अमेरिका के साथ व्यापार को लेकर कभी बातचीत नहीं हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पूरे मामले पर ट्रंप ने कहा था कि अगर आप दोनों इस लड़ाई को रोकते हैं तभी हम व्यापार कर रहे हैं और अगर आप इसे नहीं रोकते हैं तो हम कोई व्यापार नहीं करने जा रहे हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि अभी तक किसी ने व्यापार का इस्तेमाल इस तरह से नहीं किया है जिस तरह से ट्रंप ने किया। उन्होंने कहा कि वो आपको बता सकते हैं कि उन्हें ऐसा लग गया कि हम इसे रोकने जा रहे हैं, और उन्होंने ऐसा किया। ट्रंप ने आगे कहा कि हम पाकिस्तान के साथ कई क्षेत्रों में ढेर सारा व्यापार करने जा रहे हैं। इसी तरह हम भारत के साथ भी कई क्षेत्रों ढेर सारा व्यापार करने जा रहे हैं। हम वर्तमान में भारत के साथ बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही पाकिस्तान के साथ बातचीत करने की तैयारी में हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को सीजफायर पर सहमति बनने तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच सैन्य स्थिति पर बातचीत होती रही। हालांकि इस दौरान किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा। वहीं विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के परमाणु हमले की बात को भी खारिज कर किया। रणधीर जायसवाल ने बताया, सैन्य कार्रवाई पूरी तरह से एक सामान्य प्रक्रिया की तरह थी। ऐसी कुछ रिपोर्टें थी कि पाकिस्तान की राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण की बैठक 10 मई को होगी। लेकिन बाद में उन्होंने इसका खंडन किया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने खुद ही परमाणु हमले की बात से इनकार किया है। ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष जल्दी ही परमाणु हमले तक पहुंचने वाला था। ट्रंप ने आगे कहा, हमने एक परमाणु संघर्ष को रोका। मुझे लगता है कि यह एक भयानक परमाणु युद्ध हो सकता था, जिसमें लाखों लोग मारे जा सकते थे। इसलिए मुझे इस पर बहुत गर्व है। वहीं इस बात की काफी अटकलें लगाई जाने लगीं कि भारत ने पाकिस्तान के किराना हिल्स पर हमला किया है, जिसके बारे में कई लोगों का मानना ??है कि वहां पाकिस्तान के परमाणु से जुड़ा एक हिस्सा मौजूद है।

# पाक के परमाणु बम पर सोचें

भारत ने साबित कर दिया कि हम पाकिस्तानी नेताओं और रावलपिंडी के जनरल साहबान की उन भभकियों से नहीं डरने वाले कि हम परमाणु हमला कर देंगे। युद्ध की आशंकाओं से लरजती शनिवार की शाम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्‌वीट शांति की समझ लेकर आया। उन्होंने दोनों देशों को बधाई दी कि वे संपूर्ण संघर्ष-विराम के लिए तैयार हो गए हैं। बाद में भारत और पाकिस्तान, दोनों ने इसकी पुष्टि की।जो लोग अमन चाहते थे, उनके लिए यह खबर यकीनन सुकूनदेह है। जंग किसी समस्या का हल नहीं, पर क्या हमारे ऊपर थोपे जाने वाले आतंकवाद की आहटें हमेशा के लिए थम गईं? तत्काल इसका जवाब देना असंभव है, पर एक बात तय है कि भारत ने अपना तात्कालिक लक्ष्य हासिल कर लिया है। पाकिस्तान में चल रहे आतंक के तमाम अड्‌डे ध्वस्त किए जा चुके हैं। पड़ोसी के साथ समूची दुनिया को संदेश मिल गया है कि अब पुरानी रवायत नहीं चल सकती। भारत का रुख हमेशा की तरह साफ था कि हम युद्ध नहीं चाहते। हमारी लड़ाई किसी मुल्क से नहीं, बल्कि आतंकवादियों से है। उन आतंकवादियों से, जो हमारे सपूतों के खून से अपने हाथ धोकर पाकिस्तान के अपने शरणालयों में चले जाना चाहते हैं। हम उनके उन आकाओं का खात्मा चाहते हैं, जिन्होंने पिछली 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में धार्मिक आधार पर 26 भारतीयों की हत्या की साजिश रची। उन्हें खत्म करना, हमारी पवित्र जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई दिल्ली की सरकार ने यही तो किया। दुर्भाग्य से पाकिस्तान अपनी पांच हजार साल पुरानी रवायत को भूल गया है। धर्म जोड़ने के लिए होता है, तोड़ने के लिए नहीं। भरोसा न हो, तो उनकी मिसाइलों के नाम देख लीजिए- गजनी, अब्दाली और न जाने क्या-क्या! वे भूल कैसे गए कि मध्य एशिया से आने वाले आक्रामकों ने सबसे पहले हिन्दुस्तान की उसी सरजमीं पर कदम रखा था, जिसे आज पाकिस्तान कहते हैं? सबसे पहली कत्लोगारत और महिलाओं पर अत्याचार वहीं हुए थे। जुल्फिकार अली भुट्टो का नाम तो आपको याद होगा। उन्होंने कहा था- हम भारत से हजार साल तक लड़ेंगे। उनके दोस्त से जानलेवा दुश्मन बने जनरल जियाउल हक हमें हजार घाव देना चाहते थे, ताकि लहू (जान-माल) रिसता रहे और देश कमजोर होता रहे। आज पाकिस्तान के साथ यही हो रहा है। वह जो महंगे मिसाइल और ड्रोन हम पर दागता है, उनको आसमान में ही ठंडा कर दिया जाता है। यह उस देश का आत्मघात नहीं तो और क्या है, जहां एक बोरी आटे के लिए लोग एक-दूसरे की जान लेने पर आमादा हो जाते हैं! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देख-रेख में भारतीय सेनाओं ने सोची-समझी रणनीति और तालमेल के साथ पाक के तमाम शहरों पर सफल हमले किए हैं। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ इस कार्रवाई के जरिये भारत सरकार ने न केवल पाकिस्तान, बल्कि समूची दुनिया को स्पष्ट संदेश दे दिया कि हमें संयम बरतना आता है, लेकिन अपने ऊपर हुआ हमला हमें बर्दाश्त नहीं। यकीनन, आने वाले वक्त में सैन्य विज्ञान के विद्यार्थी सगर्व पढ़ेंगे कि भारत ने किस तरह उरी, बालाकोट और मई 2025 के प्रतिकार के जरिये परत-दर-परत एक नई सुरक्षा नीति की सर्जना कर दी है। भारत ने यह भी साबित कर दिया कि हम पाकिस्तानी नेताओं और रावलपिंडी के जनरल साहबान की उन भभकियों से नहीं डरने वाले कि हम परमाणु हमला कर देंगे। पिछले तीन दशकों से यह धमकी सुनते-सुनते हिन्दुस्तान सहित समूची दुनिया आजिज आ चुकी है। यही वह बिंदु है, जहां मुझे लगता है कि पूरी विश्व बिरादरी को अपने किंतु-परंतु को त्यागकर सोचना होगा कि इतने गैर-जिम्मेदार देश को परमाणु हथियार रखने की इजाजत देनी चाहिए या नहीं?




## आज का राशिफल

मेष — सुयोग अंक-3-5-7

वृषभ — शुभांक-2-4-5

मिथुन

कर्क

सिंह — शुभांक-3-6-8

कन्या — शुभांक-2-3-5

तुला

वृश्चिक

धनु — शुभांक-3-5-6

मकर — शुभांक-2-4-6

कुंभ — 3-5-7

मीन

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5597

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 9 | 4 | 7 | | | 3 | 6 |
| | | | | 8 | | | 2 | 9 |
| | 1 | | 2 | | | | 5 | 7 |
| 7 | 6 | | | | | | | |
| | | 1 | | | | 6 | | |
| | | | | | | | 1 | 5 |
| 6 | 9 | | | | 1 | | 4 | |
| 8 | 2 | | | 5 | | | | |
| 1 | 4 | | | 6 | 9 | 7 | | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

### सुडोकू पहेली क्र. 5596

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 5 | 7 | 4 | 2 | 3 | 1 | 8 | 9 |
| 8 | 1 | 4 | 9 | 5 | 6 | 2 | 7 | 3 |
| 3 | 9 | 2 | 1 | 8 | 7 | 4 | 5 | 6 |
| 5 | 4 | 6 | 8 | 7 | 2 | 3 | 9 | 1 |
| 7 | 8 | 1 | 3 | 9 | 4 | 6 | 2 | 5 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 6 | 1 | 7 | 4 | 8 |
| 4 | 2 | 5 | 6 | 1 | 8 | 9 | 3 | 7 |
| 9 | 6 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 | 2 |
| 1 | 7 | 8 | 2 | 3 | 9 | 5 | 6 | 4 |

## वर्ग पहेली 5597



संकेत: बाएं से दाएं

1. बांग्लादेश के उत्तरी भाग में ब्रह्मपुत्र नदी का यह नाम है (3)
4. देश के सबसे गहरे खंडों का निर्माण करने वाली नदी (3)
7. रस्म, रीति, प्रथा, चलन (3)
8. जो असत्य हो, जो उचित न हो (3)
9. ज्वालामुखी से निकलने वाला विस्फोटक पदार्थ (2)
12. जिसके साथ आत्मीयता का संबंध न हो, अन्य (2)
13. नया जमाना, नवीन दुनिया (4)
17. लिखा हुआ, अंकित (2)
18. ओतप्रोत, भय, डर (4)
20. घोड़े पर खेला जाने वाला गेंद और बल्ले का एक प्रकार का खेल, पोलो (3)
21. गेहूं, जौ (2)
22. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
23. एग्जाम, परीक्षा, महाशाला (2)
24. प्रातःकालीन का अंधकार, प्रकाश की किरण (1)

ऊपर से नीचे

1. एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु देना (3)
2. औषधि, उपचार, चिकित्सा (2)
3. विशिष्ट किंतु अज्ञात बात, घटना का विवरण (3)
4. शास्त्रीय संगीत में एक रागिनी जो मेघराग की पुत्रवधू कही गई है (3)
5. दंभ-पाखंड, उपद्रव, बखेड़ा (3)
6. दुर्व्यसन, बुरी आदत, कुटेव (2)
10. कोई ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
11. मननशील, महात्मा, मनन करने वाला (2)
14. ईद की नमाज पढ़ने का स्थान (4)
15. दुष्ट व्यक्ति जिसकी भूमिका खल व्यक्ति की हो (3)
16. स्मरण रहने योग्य, स्मरणीय (4)
19. घोड़े को यह भी कहा जाता है (2)
20. चबूतरा, चबूतरे के रूप में बनी हुई वास्तु रचना (2)

### वर्ग पहेली 5596 का हल

# आज से कोर्ट रोड़ से शुरू होगा शिवना शुद्धिकरण अभियान

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** लोकप्रिय व जागरूक विधायक श्री विपिन जैन के शिवना शुद्धिकरण अभियान में अपनी सहभागिता करने हेतु श्रमदानियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। नागरिकों की संख्या को देखते हुए यह अभियान अब जन अभियान का रूप ले चुका है। मंदसौर व आसपास क्षेत्रवासी मॉ शिवना के जल को साफ व स्वच्छ रखने हेतु कृत संकल्पित दिखाई दे रहा है। 16 दिनों के अथक परिश्रम से श्री पशुपतिनाथ मंदिर स्थित छोटी पुलिया के यहां की जलकुंभी जनसहयोग से हटा दी गई है। अब यह अभियान आज 17 मई से काश्तकार रेस्टोरेंट कोर्ट रोड के यहां से प्रारंभ कर यहां से जलकुंभी व गंदगी हटाने का कार्य किया जाएगा। 16वें दिन 11 ट्राली जलकुंभी व गंदगी नदी से निकाली गई।

विधायक श्री जैन ने कहा कि जन सहयोग से शुरू हुआ यह अभियान अपने लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है। जल्द ही शिवना जलकुंभी मुक्त होगी। आज 17 मई से प्रात: 7 से 9 बजे तक शिवना शुद्धिकरण अभियान काश्तकार रेस्टोरेंट कोर्ट रोड के समीप से शुरू होगा। विधायक श्री जैन ने सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने व श्रमदान करने की अपील की। मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने बताया कि इस अभियान से जुड़ने हेतु मंदसौर नगरवासी सहित ग्रामवासी आगे रहकर सम्पर्क कर रहे है तथा श्रमदान करने पहुंच रहे है। दूरस्थ स्थलों से श्रमदानी चार पहिया वाहनों में भरकर आ रहे है। इस श्रमदान में विधायक श्री विपिन जैन के संकल्प से प्रभावित होकर मंदसौर विधानसभा के साथ-साथ जिले के अन्य विधानसभाओं से भी पहुंचकर नागरिकगण सहभागिता कर रहे है। 16 मई को श्रमदान करने समाजसेवी मनीष भावसार, रामचन्द्र मालवीय, हनुमंतसिंह राणावत, टी.आर. मोटवानी, घनश्याम भावसार, बालकृष्ण पोरवाल, रमेश सोनी, महेश दुबे, विजय आनंद, मनोज जैसवार, हेमंत जैसवार, अ.भा. मालवीय बलाई समाज के कैलाश मालवीय, श्याम चावली, मांगीलाल हरिदास, अर्जुनसिंह पटवारी, देवीलाल केलवा, मोहनलाल राठौर, रणछोड मेहर, मन्नालाल, मदनलाल, सुरेश खचनारिया, सुरेश चौहान, अर्जन मालवीय, नागेश्वर धमनार, जीवनलाल डांगी, रामरतन जवासिया, भागीरथ मालवीय, प्रवीण मांगरिया, ओंकार लाल, भेरूलाल, जुगलकिशोर मालवीय, मनीष चौहान, बसंतीलाल, महावीर, गोपाल, ईश्वरलाल, रामप्रसाद, जगदीश, गणेशराम, संजय, पवन, जसवंत, बाबूलाल, विनोद मालवीय, राजू मालवीय, राकेश डांगी, प्रेमचंद अध्यापक, रामेश्वर पंवार, गोविन्द मालवीय, संतोष मालवीय, कालुराम करारिया, प्रभुलाल, नरेश मालवीय, समरथ, संजू, मदन चौहान, लालूराम, गोपाल डांगी, रामकिशन, नटवर चौहान, पवन, फूलचंद परिहार, मोहित, हर्ष धमनार, ज्योति, महावीर, गोपाल, पप्पूभाई, राहुल मेहर, पुलिस विभाग पेंशनर्स संघ के राधेश्याम परमार, रहीम बेग, भारतसिंह सिसौदिया, धर्मपाल सिंह, कालूराम राठौर, शारदानंद पाण्डे, ब्रजेश कुमार दुबे, नाहरसिंह सिसौदिया, रामचन्द्र मालवीय, रामेश्वर तंवर, गांव मेनपुरिया से उम्मेदसिंह बेस, विनोद कुमार प्रजापत, गांव अमलावद से कैलाश कुमावत, रमेश धनगर, मनीष मीणा, मुकेश मीणा, नंदावता गांव से शंकरलाल मालवीय, चेनराम, राधेश्याम सुथार, जगदीश शर्मा, बालागुढा से हरिदास बैरागी, साबाखेडा से विनोद पाटीदार, राजेन्द्र पााटीदार, राकेश पाटीदार, श्याम राठौर, डॉ. ईश्वरलाल पाटीदार, कारूलाल पाटीदार, कुम्हार मोहल्ला खिलचीपुरा से महिला संगठन की रामकुंवरबाई, कलाबाई, शांतिबाई, कौशल्या त्रिवेदी, रूकमणबाई, नमर्दा बाई, ललिताबाई, गंगाबाई, पूजा बाई, धापूबाई प्रजापत, तुलसीबाई, कलाबाई, कृष्णाबाई, यशोदाबाई, महिला नेत्री इष्ठ भाचावत, सोनाली जैन, रीना बसेर, अनीता भदोरिया, दिव्या दादनानी, मीना चौहान, गीताली पोरवाल, मिताली पोरवाल, शैली पोरवाल, आशा पोरवाल, नीना मोटवानी, कांग्रे सजन परशुराम सिसौदिया, राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, गोपाल विश्वकर्मा, अनिल शर्मा, बसंतीलाल सौलंकी, अजय लोढा, तरूण खीची, मनीष चौहान, दिलीप देवडा, विनोद शर्मा जवासिया, साबिर इलेक्ट्रीशियन, रमेश सिंगार, सुरेश खचनारिया, शांतिलाल धाकड, संजय नाहर, मनोहर नाहटा, राजेश फरक्या, निर्मल बसेर, राकेश सेन, वकार खान, दशरथसिंह राठौर, आमिन खान, रमेश ब्रिजवानी, ओमप्रकाश सूर्यवंशी मांडवी, मिथुन कटारिया, अकरम खान, अशोक राव, सोहनलाल धाकड, धमनार, पप्पू गुर्जर, शिवशंकर सौलंकी, दिव्यांश सौलंकी, कचरमल जटिया, शेलेन्द्र गोस्वामी, गणपत कुमावत, राजेश चौधरी, योगेन्द्र गौड, आदर्श जोशी, ऋषिराज लाड, गोपाल बंजारा, राजा वर्मा, अजय सोनी, संजय बारोट, घनश्याम लुहार, अभिषेक जैन, सावन मकवाना सहित बडी संख्या में गणमान्य नागरिक पहुंचे।

# आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष को दिया ज्ञापन

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** बुलंद आवाज नारी शक्ति आंगनवाडी कार्यकर्ता-सहायिका संगठन मंदसौर के प्रतिनिधि मण्डल ने भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित से मिलकर आंगनवाडी कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान कराने तथा 5 वर्षों से अधिक समय से जिले में टीके अधिकारियों का तबादला कराने की मांग की व ज्ञापन दिया।

संगठन के प्रदेश संरक्षक श्याम सोनावत ने भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दीक्षित को बताया कि कार्यकर्ताओ को विभाग द्वारा आंगनवाडी केन्द्र मुख्यालय पर निवास न करने विषयक नोटीस दिये गये है जिसमें उपस्थिति समय पर ना लगाने एवं समय पर केन्द्र ना खोलने की बात कही गई जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क ना होने की वजह से केन्द्र पर उपस्थित होने के पश्चात भी उपस्थिति नहीं लगा पाते हैं। जबकि केन्द्रों का किसी भी प्रतिनिधि द्वारा निरीक्षण नही किया गया। उनको भी नोटीस दिये गये, कार्यकर्ता अपनी जवाबदारी पूर्ण निष्ठा के साथ निभा रही है एवं ऑनलाईन और ऑफलाईन दोनो कार्य कर रही हैं कार्यकर्ता का कार्य तीन गुना होने के बाद भी वो दिन रात कार्य कर रही हैं, फिर भी उन्हें नोटीस पर नोटीस देकर एवं मानदेय काटकर प्रताडित किया जा रहा हैं।

पिछले कुछ वर्षों से हम कार्यकर्ता पोषण ट्रेकर एप एवं संपर्क एप पर ऑनलाईन संपूर्ण कार्य करते आ रहे है और यही सारा कार्य हम 11 पंजीयो एवं साथ अन्य रजिस्टरों में भी करते आ रहे हैं इसके चलते कार्यकर्ता का कार्य भार कई गुना हो गया हैं। वहीं पोषण ट्रेकर में टीएचआर बांटने की फेस केप्चर की ऐसी व्यवस्था शुरू की गई है जो ऑनलाईन फोटो खिंच कर ई केवायसी करके एवं ओटीपी हितग्राही से लेकर टीएचआर देना है जो नेटवर्क न होने बेलेंस न होने एवं परिवार में एक ही फोन होने जो मुखिया के पास होता हैं ऐसी स्थितियों के चलते फेस केप्चर से टीएचआर बांटना संभव नहीं हैं। शासन की ऐसी व्यवस्थाओं के चलते कार्यकर्ता मानसिक रूप से प्रताडित हैं। ऐसी स्थिति में जब हितग्राही से ओटीपी मांगते है तो हितग्राही कहते है कि ओटीपी देने के बाद यदि हमारे खाते से पैसे कट जाते हैं, तो समस्त जवाबदारी आपकी होगी। क्योंकि आजकल फ्रोड बहुत हो रहे हैं जिससे की कार्यकर्ता बहुत परेशान हैं। वहीं प्रदेश के प्रदेश संरक्षक श्याम सोनावत ने भाजपा जिलाध्यक्ष के समक्ष मांगे रखते हुए बताया कि 5 वर्ष से अधिक समय से एक ही जगह टिके सभी अधिकारियों का तबादला शीघ्र करवाने का कष्ट करें। क्योंकि मंदसौर जिले में पिछले 15 से 25 साल तक एक जगह पदस्थ है इसलिये जिले में पदस्थ ऐसे सभी अधिकारियों के तबादले जिले से बाहर अन्यत्र जगह किये जाये। पोषण ट्रैकर एवं संपर्क एप पर ऑनलाइन कार्य बंद कराया जावें। स्थाई कर्मचारी घोषित किया जावें, एवं तब तक कार्यकर्ता को 25000 रूपये एवं सहायिका को 18000 रूपये मासिक मानदेय दिया जाने की कृपा करें। 3 से 6 वर्ष के बच्चो की प्रायवेट स्कूलों में प्रवेश बंद करने की कृपा करें। ग्रीष्मकालीन अवकाश अन्य विभाग की तरह आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को भी दिया जाने की कृपा करें। प्रतिवर्ष सभी रजिस्टर उपलब्ध करवाने की कृपा करें। इस अवसर पर संगठन के प्रतिनिधि मण्डल में प्रदेश संरक्षक श्याम सोनावत, जिला कोषाध्यक्ष मंजूबाला चौहान, शिवकन्या हामोरा, मोनिका सोनी, रचना राठौर, हीरा भाटी, विद्या सौलंकी, इंदुबाला शर्मा, कुसुम नायक, अंगुरबाला गंधर्व, ममता शर्मा, कृष्णा जोशी, विष्णु बोराना, कौशल्या सेन आदि उपस्थित थे।

# अभा मालवी बलाई समाज ने शिवना शुद्धिकरण में किया श्रमदान

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** लोकप्रिय व जागरूक विधायक श्री विपिन जैन के शिवना शुद्धिकरण अभियान में अपनी सहभागिता करने हेतु श्रमदानियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। मंदसौर व आसपास क्षेत्रवासी मॉ शिवना के जल को साफ व स्वच्छ रखने हेतु कृत संकल्पित दिखाई दे रहा है। इसी कडी में 16 मई गुरुवार को जिला मालवीय बलाई समाज के जिला अध्यक्ष कैलाश मालवीय के नेतृत्व में समाज जन ने दो घंटा श्रमदान किया। इस अवसर पर अ.भा. मालवीय बलाई समाज के श्री कैलाश मालवीय, श्याम चावली, अर्जुनसिंह पटवारी सुवासरा, भागीरथ मालवीय, जीवनलाल डांगी, प्रवीण मांगरिया, रणछोड मेहर, सुरेश खचनारिया, अर्जन मालवीय, रामरतन जवासिया, ओंकारलाल, भेरूलाल, जुगलकिशोर मालवीय (वकील), मनीष चौहान, ज्योति खचरानिया धमनार, बसंतीलाल, महावीर, गोपाल, ईश्वरलाल, रामप्रसाद, जगदीश, मन्नालाल, सुरेश चौहान, मदनलाल, गणेशराम, संजय, पवन, जसवंत, बाबूलाल, विनोद मालवीय, राजू मालवीय, राकेश डांगी, प्रेमचंद अध्यापक, मोहनलाल राठौर, रामेश्वर पंवार, गोविन्द मालवीय, संतोष मालवीय, कालुराम करारिया, प्रभुलाल, नरेश मालवीय, समरथ, संजू, मदन चौहान, देवीलाल केलवा सुवासरा, लालूराम, गोपाल डांगी, रामकिशन, नटवर चौहान, पवन, मांगीलाल, हरिदास, फूलचंद परिहार, नागेश्वर, मोहित, हर्ष धमनार, कालूराम राठौर, शंकरलाल मालवीय सरपंच, रामचन्द्र मालवीय, रामेश्वर तंवर महावीर, गोपाल, पप्पूभाई, राहुल मेहर, पुलिस विभाग पेंशनर्स संघ के राधेश्याम परमार, आदि लोगों ने संविधान में हिस्सा लिया।

# वैश्य महासम्मेलन मंदसौर एवं उज्जैन संभाग की कोर ग्रुप की बैठक कल

## पूर्व गृहमंत्री गुप्ता एवं प्रांताध्यक्ष अग्रवाल के आतिथ्य में होगी, गोशाला में होगा गोसेवा प्रकल्प

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश द्वारा मंदसौर में मंदसौर एवं उज्जैन संभाग के अपेक्षित पदाधिकारीयो की एक महत्वपूर्ण बैठक 18 मई रविवार को दोपहर 12:00 बजे स्टेशन रोड स्थित होटल ऋतुवन में आयोजित गई है । बैठक में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं वैश्य महासम्मेलन के शिरोमणि संरक्षक श्री उमाशंकर गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर अग्रवाल एवं प्रदेश महामंत्री श्री जगदीश अग्रवाल का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। बैठक से पूर्व प्रात: 9:00 बजे कालिदास मार्ग स्थित गोपाल कृष्ण गौशाला में पूर्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता के आतिथ्य में गौ सेवा की जाएगी। एवं नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर अग्रवाल के साथ मंदसौर नगर में निवासरत वैश्य बन्धुओ एवं मातृशक्ति के साथ परिचात्मक बैठक ओर सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया है।

इस आशय की जानकारी देते हुए वैश्य महासम्मेलन मंदसौर जिला प्रभारी श्री नरेंद्र अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्री जगदीश चन्द्र चौधरी ,जिला महामंत्री श्री भगवानदास विजयवर्गीय , युवा इकाई मंदसौर संभाग प्रभारी श्री कपिल भंडारी, संभागीय अध्यक्ष डॉ आशीष अग्रवाल, जिला प्रभारी श्री जगदीश काला, जिलाध्यक्ष राकेश दुग्गड ,जिला महामंत्री श्री दिलीप सेठिया, महिला इकाई संभाग प्रभारी श्रीमती चंदा कोठारी ,जिला प्रभारी श्रीमती भारती अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्रीमती श्वेता अग्रवाल ने बताया कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर अग्रवाल संपूर्ण मध्य प्रदेश में संभाग स्तर पर बैठक आयोजित कर वैश्य संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करने हेतु संभाग ओर जिलों का दौरा कर रहे है। जिला प्रभारी श्री अग्रवाल एवं जिलाध्यक्ष श्री चौधरी ने मंदसौर नगर में निवासरत सभी वैश्य बन्धुओ ओर मातृशक्ति से अनुरोध किया कि 18 मई रविवार को प्रात: 9 बजे गोशाला में उपस्थित होकर गोसेवा प्रकल्प में अपनी सहभागिता दर्ज कराए।

# एडीएम ने लसुड़िया एवं दुधलाई में ईकेवायसी कार्य का किया निरीक्षण

**नीमच, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिले की सभी पंचायतों एवं नगरीय निकायों के सभी वार्डो में खसरा ई-केवाईसी, समग्र, ई-केवाईसी, खाद्य ई केवाईसी, आधार, आरओआर की केवाईसी एवं फार्मर रजिस्ट्री के लक्ष्यों की शतप्रतिशत पूर्ति के लिए बुधवार से चार दिवसीय तक विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं। जिले में इस अभियान के तहत शुक्रवार को ग्राम चिकली ब्लॉक, लसुडिया, रामपुरा, दुधलई, जन्नौद, तलाऊ, बारवाडिया, बर्डिया, सहित विभिन्न गांवों और शहरी वार्डो में ई-केवायसी के लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में राजस्व अमले एवं विभिन्न विभागों के ग्राम स्तरीय अमलें ने शेष हितग्राहियों को प्रेरित कर, उनकी खसरा, समग्र आधार, खाद्य, ई-केवायसी, आर.ओ.आर., ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री की गई। एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड ने रामपुरा तहसील के ग्राम लसुडिया में ईकेवायसी महाअभियान के तहत राजस्व अमले द्वारा घर-घर जाकर, ईकेवायसी कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिए। एडीएम श्रीमती गामड ने ग्राम दुधलई में भी खसरा, ईकेवायसी, समग्र ईकेवासी और फार्मर रजिस्ट्री कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होने ईकेवायसी से शेष रहे सभी हितग्राहियों और किसानों से अपना ईकेवायसी अनिवार्य रूप से करवाने की अपील की है। उन्होने कहा, कि यदि किसी हितग्राही का ईकेवायसी नही होगा, तो उसे भविष्य में शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में असुविधा होगी। अत: सभी अपना ईकेवायसी अनिवार्य रूप से करवाएं।

# जिले में 19 से दिव्यंगता परीक्षण शिविर का आयोजन

**नीमच, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र नीमच द्वारा रेडक्रॉस भवन नीमच में एलिम्को उज्जैन द्वारा दिव्यांग एवं वृद्धजन (बजुर्ग जो 60 साल से उम्रर उम्र) के हितग्राहियों का परीक्षण किया जायेगा। जिलेमें 19 मई 2025 को नीमच रेड्क्रॉस, 20 मई 2025 को रामपुरा शासकीय अस्पताल, 21 मई 2025 को मनासा शासकीय अस्पताल, 22 मई 2025 को सिंगोली शासकीय अस्पताल, 23 मई 2025 को जावद शासकीय अस्पताल में प्रात: 10 बजे से शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में दिव्यांग हितग्राहियों को ट्रायसिकल, मोटो ट्रायसिकल (बैटरी वाली गाडी), व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र (कान की मशीन), बैसाखी, छडी, वाकर, स्मार्ट फोन, स्मार्टकेन, कृत्रिम हाथ पैर के लिए परीक्षण किया जायेगा। वृद्धजन (बजुर्ग जो 60 साल से उम्रर उम्र) को श्रवण यंत्र (कान की मशीन), बैसाखी, छडी, वाकर, व्हीलचेयर आदि सामग्री प्रदान करने के लिए एलिम्को कम्पनी उज्जैन द्वारा परीक्षण किया जायेगा।

उप संचालक सामाजिक न्याजय सुश्री किरण आंजना ने बताया, कि परीक्षण करवाने के लिए आवश्यक दस्तावेज जैसे दिव्यांग प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, यूडीआईडी कार्ड, राशन कार्ड बीपीएल या आय प्रमाण पत्र आदि सभी दस्तावेजो की दो-दो फोटो कॉपी एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ दिव्यांग हितग्राही को शिविर में उपस्थित होना है। वृद्धजन (बुजुर्ग) को आधार कार्ड, समग्र आईडी, पासपोर्ट फोटो 2, आय प्रमाण पत्र ये सभी दस्तावेज की दो-दो की फोटोकॉपी लेकर आना है। शिविर संबंधी अधिक जानकारी के लिए जिला दिव्यांग पुर्नवास केंद्र के श्री भूरालाल अहीर मो.न.9713165344 नंबर पर संपर्क किया जा सकता हैं।

### महिलाओं हेतु नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण 19 से प्रारंभ

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर द्वारा महिलाओं के लिए सिलाई मशीन का प्रशिक्षण 19 मई 2025 से प्रारंभ होगा। प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थी को भारत सरकार द्वारा प्रमाणित प्रमाण- पत्र दिया जाएगा। जो भी इच्छुक महिलाएं वह अपना रजिस्ट्रेशन जल्द से जल्द करवा लेवे। रजिस्ट्रेशन के साथ दो फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी कार्ड, अंतिम मार्कशीट और बैंक खाते की डिटेल फोटो प्रति लेकर आए। उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अधिक जानकारी के लिए सर्किट हाउस के पहले नई आबादी पुलिस थाने के पास ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी) या मोबाईल नं. 7999852839, 91118 58590, 8435806297 पर सम्पर्क कर सकते है।

# सभी पशुपालक अपने पशुओं को लंपी स्किन डिसीज का टीकाकरण करवायें

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** पशुपालन एवं डेयरी उप संचालक ने बताया कि लंपी स्किन डिसीज पशुओं की एक वायरल जनित बीमारी है जो कि पॉक्स वायरस द्वारा पशुओं में फैलती है। यह बीमारी मच्छर, मक्खी एवं टिक्स आदि के काटने से एक पशु से दूसरे पशु मे फैलती है।

पशुओं में लक्षण - शुरूआत में दो से तीन दिन हल्का बुखार, पुरे शरीर की चमडी में गठाने (2-3 से.मी. गोल उभरी हुई), पेरो में सुजन, दुध उत्पादन में कमी, गर्भपात, बांझपन से होती है। बीमारी में अधिकतर संक्रमित पषु 2-3 सप्ताह में ठीक हो जाते है। मृत्युदर 1-5 प्रतिशत है। वर्तमान में जिले में लंपी स्किन डिसीज का टीकाकरण किया जा रहा है। पशुपालको से निवेदन है कि अपने अपने पशुओं में टीकाकरण करवायें साथ ही निराश्रित पशुओं में स्थानीय प्रशासन की सहायता से टीकाकरण करवायें । इसके साथ ही उपरोक्त शुरूआती लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटस्थ पशु चिकित्सा संस्था से संपर्क करें एवं सुरक्षा एवं बचाव के उपाय किया जाना सुनिश्चित करे। संक्रमित पशु को स्वस्थ पशु से तत्काल अलग करना चाहिये। बीमारी फैलाने वाले मच्छर, मक्खी एवं टिक्स आदि के रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाया जाना चाहिये। संक्रमित पशु का आवागमन प्रतिबंधित किया जाना चाहिये। पशुशाला, घर आदि जगह पर साफ सफाई, जीवाणु विषाणु नाशक रसायन जैसे फिनाईल, फोर्मेलिन एवं सोडियम हायपो क्लोराईड आदि से किया जाना चाहिये। एक पशुशाला के श्रमिक को दूसरी पशुशाला में नही जाना चाहिये। बीमारी के लक्षण दिखने वाले पशु का नही खरीदना चाहिये। पशुपालको को भी अपनी शरीर की साफ सफाई का ध्यान रखना चाहिये। पशु की मृत्यु होने पर गहरा गड्ढा खोदकर चुना एवं नमक डालकर शव निष्पादन किया जाना चाहिये। शव निष्पादन स्थल जल स्त्रोत एवं आबादी से दूर होना चाहिये।

# पीजी कालेज में लोक माता देवी अहिल्या बाई की जयंती पर संगोष्ठी सम्पन्न

**नीमच, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच एवं वन विभाग नीमच के संयुक्त तत्वाधान मे गुरुवार को रूसा सभागार मे लोक माता देवी अहिल्या बाई के 300वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य मे संगोष्ठी आयोजित की गई। प्राकृतिक एवं पर्यावरण संरक्षण मे अहिल्या बाई की दृष्टि समाज के पंच परिवर्तन के विषय पर आयोजित संगोष्ठी में इतिहासकार डॉ.सुरेन्द्र सिंह शक्तावत मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने देवी अहिल्या बाई के जीवन एवं उनके आदर्शों को इतिहास के दृष्टीकोण से विस्तार से व्याख्यान किया। श्री विश्वदेव शर्मा अध्यक्ष जन भागीदारी ने देवी अहिल्या बाई द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए किए गए अभूतपूर्व कार्यों क्र व्याख्यान किया। विशिष्ट अतिथि श्री शरद जाटव (वन परिक्षेत्र अधिकारी नीमच) द्वारा संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्य, देवी अहिल्या बाई के जीवन आदर्श एवं उनके द्वारा पर्यावरण संरक्षण में किए गए एतिहासिक कार्यों को विस्तारपूर्वक समझाया। डॉ.रचना राजौरा ने देवी अहिल्या बाई के आर्थिक उत्थान के कार्यों पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। समारोह की अध्यक्षता डॉ प्रशांत मिश्रा प्राचार्य द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ संजय जोशी ने किया। कार्यक्रम के अंत मे आभार डॉ.जगदीश चन्द्र आर्य ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ.एच.के.तुगनावत, डॉ.अर्चना पंचोली, डॉ.गिरिराज शर्मा, डॉ.आर.सी.वर्मा, डॉ.महेंद्र शर्मा उपस्थित थे।

# श्रीमती सोहन बाई सोनी के नेत्रों से मिलेगी दो नेत्रहिनों को नेत्र ज्योति

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** लायंस क्लब को इस सत्र का 20वां नेत्रदान प्राप्त हुआ, जो स्वर्गीय श्रीमती सोहनबाई सोनी के देहांत के पश्चात् उनके परिवार द्वारा किया गया। यह नेत्र उत्सर्जन प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. किशोर शर्मा द्वारा संपन्न किया गया। लायंस क्लब अध्यक्ष श्री जितेंद्र पोरवाल ने बताया कि इस पुनीत कार्य में डॉ. संजीव मेहता और श्री वीरेंद्र डोसी का विशेष सहयोग रहा। आपने बताया कि लायंस क्लब द्वारा नेत्रदान जैसे सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने और जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करने का प्रयास निरंतर जारी है।

# ढाबा माता की बावड़ी पर स्वच्छता श्रमदान

**नीमच, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** जन सहयोग से जल संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा और जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशन में शुक्रवार को ढाबा माता की बावडी नयागांव में स्वच्छता श्रमदान किया गया। जनसहयोग से जल संवर्धन कार्यक्रम में नगर परिषद नयागांव और जन अभियान परिषद जावद द्वारा स्वच्छता श्रमदान किया गया। करीब एक घंटे चले श्रमदान में 30 श्रमदानियों ने कचरा निकाल कर, प्राचीन बावडी को पुन: स्वच्छ किया। इस मौके पर नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री हरीश धाकड, पार्षदगण, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाता एवं सभी छात्र छात्राओं के साथ नवांकुर संस्था के सदस्यों ने श्रमदान किया।

# वृंदावन तालाब में जन सहयोग से जल संवर्धन कार्यक्रम सम्पन्न

**मनासा, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मनासा में शुक्रवार को वृंदावन गार्डन तालाब में जन सहयोग से जल संवर्धन एवं जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक श्री अनिरुद्ध (माधव) मारू, एसडीएम श्री पवन बारिया ने वृंदावन गार्डन तालाब का निरीक्षण किया और तालाब के सौंदर्यीकरण, गहरीकरण, जल संरक्षण और तालाब की साफ-सफाई को लेकर निर्देश दिए। इस कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्देश्य को लेकर विधायक श्री मारू, एसडीएम श्री बारिया, नगर परिषद मनासा की अध्यक्ष डॉ.सीमा अजय तिवारी, उपाध्यक्ष श्री किशोर जोलानिया और अतिथियों ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होने जल स्त्रोतों, नदी, तालाब, कुआ, बावडी का संरक्षण, जल बचाओ व साफ-सफाई को लेकर जन सहयोग से जल संवर्धन में अधिक से अधिक भागीदारी करने के लिए अपील की। इस अवसर पर विधायक श्री माधव मारू, पार्षदगणों, निकाय कर्मचारियों, एनसीसी केडेट्स, नागरिकों एवं अतिथियों ने उपस्थितजनों के साथ स्व,च्छयता के लिए श्रमदान भी किया।

# योगिता बैरागी कांग्रेस सेवादल महिला विंग की जिलाध्यक्ष नियुक्त

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष श्री लालजी देसाई, म.प्र. कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, म.प्र. कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष श्री योगेश यादव, मंदसौर जिला प्रभारी श्री जयवर्धनसिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन की सहमति से महिला कांग्रेस सेवादल प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अवनी बंसल ने योगिता बैरागी को कांग्रेस सेवादल महिला विंग मंदसौर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अवनी बंसल ने योगिता बैरागी को निर्देशित किया है कि जल्द ही जिला कार्यकारिणी बनाकर कांग्रेस व सेवादल संगठन को मजबूती प्रदान करें।

# जय भारत मंच की नवीन कार्यकारिणी का गठन

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** जय भारत मंच के मार्गदर्शक श्री इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पुष्पराज सिंह तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री चंदरसिंह सिसोदिया विधायक गरोठ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ए.एम. पांडे, राष्ट्रीय महामंत्री अर्जुन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती वीणा सोनी रतलाम, प्रदेश महामंत्री श्री कमल कोठारी मंदसौर की सहमति से जिला अध्यक्ष श्री अशोक सोनी (मेलखेडा वाला) ने जय भारत मंच जिला मंदसौर की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें श्री कमलेश सिसोदिया महामंत्री, श्री राहुल रुनवाल महामंत्री, श्री अमरजीत सिंह चावला उपाध्यक्ष, श्री कैलाश सिसोदिया उपाध्यक्ष, श्री मनीष पारिख मीडिया प्रभारी, श्री राजेश मंडवारिया सह कोषाध्यक्ष, श्री पंकज देशमुख प्रवक्ता, कार्यकारिणी सदस्य श्री सज्जन सिंह बापू, श्री ललित कोतक, श्री नरेंद्र माली, श्री राहुल माली, श्री नकुल माहेश्वरी, श्री विनोद बग्गा, श्री मुकेश सोनी आदि को लिया गया। जिला अध्यक्ष श्री सोनी ने बताया कि आगामी दिनों में संपूर्ण जिले का दौरा कर के जय भारत मंच की जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। उक्त जानकारी जय भारत मंच जिला मीडिया प्रभारी मनीष पारीक ने दी।

# जीरन तालाब गहरीकरण से बांध की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं-श्रीवास्तव

**नीमच, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** जल संसाधन कार्यपालन यंत्री श्री विमल श्रीवास्तव ने बताया, कि जीरन तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गहरीकरण हेतु विभाग से अनुमति प्रदान की गई है। मिट्टी खुदाई का कार्य तालाब की पाल से 500 मीटर से अधिक दूरी पर किया जा रहा है। इतनी दूरी पर मिट्टी खुदाई करने से बांध की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। तालाब का गहरीकरण करने से बांध की क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे किसानों को निस्तार एवं पेयजल हेतु अधिक जल उपलब्ध रहेगा। ज्ञातव्य हो, कि 15 मई को एक समाचार पत्र में जीरन तालाब से संबंधित प्रकाशित समाचार में गहरे गड्ढे करने से बांध की सुरक्षा को खतरा होने का अंदेशा व्यक्त किया गया था, इस पर जल संसाधन कार्यपालन यंत्री श्री विमल श्रीवास्तव ने उक्ते वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए बांध को सुरक्षित बताया है और गहरीकरण से बांध की जल भराव क्षमता में वृद्धि होने की बात कही है।

# रक्षामंत्री बोले-ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं

## ये सिर्फ ट्रेलर, वक्त आने पर दुनिया को दिखा देगें पूरी पिक्चर

**अहमदाबाद, 16 मई।** भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। ये तो सिर्फ ट्रेलर है। वक्त आएगा तो पूरी पिक्चर दुनिया को दिखा देगें। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पहली बार गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे थे।

रक्षामंत्री श्री सिंह ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सीजफायर में हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर प्रोबेशन पर रखा है। बिहेवियर में गडबडी आई तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया, एक कहावत मशहूर है दिन में तारे दिखना। ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया। इससे पहले राजनाथ जम्मू।कश्मीर के श्रीनगर एयरबेस पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जवानों से मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया था। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आपका अभिनंदन करने आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर में आपने करिश्माई काम किया है। भारत का मस्तक आपने उंचा किया है। हमारे सैनिकों को नमन करता हूं। आप सबके बीच आकर मुझे गौरव की अनुभूति हो रही है। आपके पराक्रम ने दिखा दिया है कि यह वो

सिंदूर है, जो श्रृंगार का नहीं शौर्य का प्रतीक है। यह वह सिंदूर है जो सौंदर्य नहीं, संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। इस लडाई में सरकार व सभी नागरिक एकजुट थे। भारत का हर नागरिक इसमें सिपाही की तरह भागीदार रहा। अब आतंकवाद के विरुद्ध लडाई सिर्फ सुरक्षा का मसला नहीं, बल्कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बन चुकी है। हम इसे जड से खत्म करेंगे। अब भारत पहले का भारत नहीं है, नए भारत का जन्म हो चुका है। इस ऑपरेशन में आपने जो किया है, सभी हिंदुस्तानी उससे गौरवान्वित हैं। भारतीय सेना के लिए 23 मिनट काफी थे पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंकवाद के अजगर को कुचलने के लिए। जितनी देर में लोग नाश्ता।पानी करते हैंए उतनी देर में आपने दुश्मनों को निपटा दिया।

**पाकिस्तान में गिरी मिसाइलों की गूंज दुनिया ने सुनी**–रक्षामंत्री राजनाथ ने कहा कि आपने पाकिस्तान के भीतर मिसाइलें गिराई हैं, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी। वह गूंज आपके शौर्य की, जवानों के पराक्रम की। भारतीय वायुसेना ने प्रभावी भूमिका निभाईए जिसकी सराहना दुनिया के दूसरे देशों में भी हो रही है। आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए इस अभियान का नेतृत्व एयरफोर्स ने किया, जो ऐसी स्काई फोर्स है, जिसने अपने शौर्य और पराक्रम से नई उंचाइयों को भी छू लिया है।

**धरती की छाती चीरकर दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करेंगें**–राजनाथ सिंह ने कहा कि हमने तय किया कि धरती की छाती चीरकर दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करेंगे। मैं मानता हूंकि भारत की आतंकवाद के खिलाफ की गई यह अब तक की सबसे बडी कार्रवाई है। हमने दिखा दिया है कि हम आतंकवाद के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने भारत के मस्तिष्क पर वार किया तो हमने उनकी छाती पर वार किया।

**सीमा पार किए बिना ही भारत ने पाक में 9 आतंकी ठिकाने नष्ट किए**–जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। इस बीच रक्षा बजट में बढोतरी को लेकर रक्षा मंत्रालय के प्रस्ताव को अहम माना जा रहा है। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में हमला किया था।

# ऑनलाइन तबादलों के आवेदन की तारीख बढ़ी

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** तबादला नीति के तहत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मांगे गए आवेदनों को लेकर टाइम टेबल में बदलाव किया गया है। विभाग ने आवेदन करने की तारीख बढा दी है। अब शिक्षक 21 मई तक स्वैच्छिक तबादले के लिए आवेदन कर सकेंगे। शिक्षा विभाग के साथ ही स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य कई विभागों ने भी तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं।

**लोक शिक्षण आयुक्त ने जारी किए निर्देश**–लोक शिक्षण आयुक्त द्वारा जारी निर्देश कें मुताबिक वर्ष 2025-26 के लिए जारी तबादला नीति के क्रियान्वयन के लिए टाइम

**25 मई से होंगे शिक्षकों के ट्रांसफर**

टेबल तय किया गया है। इसके अंतर्गत स्वैच्छिक ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की समय सीमा जहां पहले 16 मई 2025 तय की गई थी और इसके बाद 20 मई से तबादला आदेश जारी किए जाने थे। इस समय सीमा में बदलाव किया गया है। लोक शिक्षण आयुक्त ने अपने आदेश में कहा है कि स्वैच्छिक ट्रांसफर के लिए आवेदन करने की तारीख 16 मई से बढ़ाकर 21 मई तक कर दी गई है।

### स्वैच्छिक तबादलों की प्रक्रिया...

❊ स्वास्थ्य आयुक्त के अनुसार हर आवेदक को 10 स्थानों की प्राथमिकता देनी होगी। ❊ एक बार में केवल एक आवेदन ही स्वीकार होगा और उसमें संशोधन की अनुमति नहीं होगी। ❊ 20 मई तक सभी दस्तावेज और आवेदनों का सत्यापन कर लिया जाएगा। ❊ इसके बाद तबादला आदेश आयुक्त के डिजिटल हस्ताक्षर के साथ पोर्टल पर जारी किए जाएंगे।

इसी तरह तबादला आदेश जारी करने की समय सीमा भी 20 मई से बढ़ाकर 25 मई कर दी गई है। आयुक्त ने संचालक राज्य शिक्षा केंद्र, सभी कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, संयुक्त संचालक शिक्षा, सभी जिला शिक्षा अधिकारी को इसके आधार पर तबादले के आवेदन लेने के बाद आगे की कार्यवाही के लिए कहा है।

**स्वास्थ्य विभाग में 19 मई तक लिए जा रहे ऑनलाइन आवेदन**–बता दें कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में भी स्वैच्छिक तबादलों के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जा रहे हैं। इस प्रक्रिया के तहत नियमित अधिकारी और कर्मचारी 14 से 19 मई के बीच आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी।

# बिना मुंडेर के कुएं चिन्हित कर मुंडेर निर्माण की कार्यवाही करें

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्यक्षता में जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित हुई। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मनुप्रिया विनीत यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, जिला पंचायत के सदस्य मौजूद थे।

बैठक के दौरान काचरिया चौपाटी पर हुई दु:खद दुर्घटना के संबंध में 2 मिनट का मौन रखा गया। बैठक के दौरान निर्देश दिए की जिले में सड़क के किनारे जितने भी बिना मुंडेर के कुएं हैं। उनको चिन्हित कर कार्यवाही करें। जल निगम खराब सड़कों को तुरंत ठीक करें। ऐसी सडके जो पेयजल पाइपलाइन बिछाने के दौरान ठेकेदार द्वारा खराब कर दी गई थी, उनको तुरंत ठीक करें। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि, जिन अस्पताल में पद रिक्त है वहां पर नए व्यक्ति को नियुक्त करें एवं स्वास्थ्य विभाग की समस्याओं को दुरस्त करें। एमपीईबी विभाग खराब ट्रांसफार्मर को तुरंत बदले एवं ग्रामीण क्षेत्र में लाइट की कटौती नही की जाए । इसके साथ महिला बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, वन, विभाग एवं अन्य सभी विभागों समीक्षा की गई।

# जिला चिकित्सालय में आयोजित नि:शुल्क शिविर में 13 बच्चों की स्क्रीनिंग की

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान द्वारा बताया गया कि, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत आज जिला अस्पताल में कटे होठ एवं फटे तालु वाले बच्चों हेत नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लाहोटी हॉस्पिटल, भोपाल की टीम द्वारा शिविर में 13 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई। स्क्रीनिंग पश्चात 05 बच्चे सर्जरी हेतु चिन्हित किये गए, जिनको भोपाल सर्जरी हेतु भेजे गए। जिनकी सर्जरी प्लास्टि सर्जन डॉ. कपिल लाहोटी द्वारा की जायेगी, सर्जरी के बाद सामान्य बच्चों की तरह इन बच्चों के चेहरे पर भी मुस्कान आएंगी। शिविर में डॉ. बी.एल. रावत (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. रजत पाटीदार (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. नेकी मिनारे (शिशु रोग विशेषज्ञ) एच.ओ.डी मेडिकल कॉलेज, श्री सुरेशचन्द्र मुवेल, जिला समन्वयक आरबीएसके, डी.ई.आई.एम एवं स्टॉफ, उपस्थित थे।

# नई व्यवस्था: भोपाल से होगी बसों की निगरानी

## बीमा-फिटनेस खत्म होते ही जाएगा मैसेज

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** भोपाल हादसे से सबक लेते हुए परिवहन विभाग अब नई व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। जिस बस से महिला डॉक्टर की मौत हुई थी, उसका फिटनेस सर्टिफिकेट ही नहीं था। अब ऐसी लापरवाही रोकने के लिए बसों की निगरानी केंद्रीकृत सिस्टम से होगी। भोपाल स्थित परिवहन आयुक्त के कैंप ऑफिस में कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है, जहां से पूरे प्रदेश की बसों की फिटनेस, परमिट, पीयूसी और व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) की निगरानी होगी। परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने बताया कि इसकी जिम्मेदारी एआरटीओ स्तर के अधिकारी को दी गई है। हर जिले से रजिस्टर्ड बसों की जानकारी मंगाई जा रही है। इसमें रजिस्ट्रेशन, परमिट, फिटनेस, पीयूसी की वैधता और वीएलटीडी की स्थिति शामिल है। सारा डेटा कंप्यूटर में फीड कर एक एनालिटिकल सॉफ्टवेयर से जोडा जाएगा।

तीन चरणों में शुरू होने वाले इस प्रोजेक्ट के पहले चरण की मॉनिटरिंग इसी महीने के अंत तक शुरू हो जाएगी।जैसे ही अलर्ट सिस्टम में कोई बस चिन्हित होगी, उसका डेटा संबंधित जिले के आरटीओ को भेजा जाएगा। वहां से बस मालिक को नोटिस भेजकर दस्तावेज समय रहते अपडेट कराने को कहा जाएगा। तय समय तक अपडेट नहीं होने पर कार्रवाई की जाएगी।

**कैसे काम करेगा सिस्टम**–डिप्टी टीसी किरण शर्मा ने बताया कि सॉफ्टवेयर में ऐसा अलर्ट सिस्टम होगा, जो किसी भी दस्तावेज की वैधता खत्म होने से 07 दिन पहले स्क्रीन पर जानकारी ब्लिंक करेगा। मसलन, अगर किसी बस का परमिट 15 तारीख को खत्म हो रहा है, तो 08 तारीख से ही कंट्रोल रूम में अलर्ट आने लगेगा।

**तीन चरणों में लागू किया जाएगा यह सिस्टम**–❊ पहला चरण- शैक्षणिक बसें ❊ दूसरा चरण- यात्री बसें ❊ तीसरा चरण-औद्योगिक संस्थानों की बसें

# मंदसौर-नीमच में भी लव जिहाद के खिलाफ सड़क पर उतरे हिंदू संगठन

**मंदसौर/नीमच, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश के अन्य जगहों के साथ मंदसौर और नीमच में भी हिंदू संगठन लव जिहाद के खिलाफ सड़क पर उतर आए। मंदसौर में सर्व समाज के लोग गांधी चौराहे पर एकत्रित हुए। यहां से रैलीनिकाली गई। इसके बाद ज्ञापन सौंपा गया। इधर नीमच में हिंदू जागरण मंच और सकल हिंदू समाज के सदस्यों ने कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया। संगठन के सदस्यों ने संयुक्त कलेक्टर राजेश शाह को ज्ञापन सौंपा।

संगठनों ने भोपाल के टीआईटी कॉलेज, उज्जैन, इंदौर, रीवा, सागर, दमोह, मुरेना और राजगढ में सामने आए

मामलों का जिक्र किया। ज्ञापन में कहा गया कि इन घटनाओं में नाबालिग लड़कियों, युवतियों और विवाहित महिलाओं को प्रेमजाल में फंसाया गया।संगठन ने इन मामलों की राष्ट्रीय स्तर पर जांच की मांग की है। उनका कहना है कि प्रारंभिक जांच में इनके तार अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुडे हो सकते हैं। ज्ञापन में कई अन्य मांगें भी की गई। इनमें बालिकाओं के लाइसेंस के लिए डिजिटल दस्तावेज की व्यवस्था शामिल है। भोपाल के आईआईटी मामले में नाबालिग और अनाथ पीडितों के लिए विशेष कोष की मांग की गई। संगठन ने मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की। साथ ही सभी सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराने की मांग की। ज्ञापन में दुष्कर्म के मामलों में अपराधियों को फांसी की सजा के लिए सख्त कार्रवाई की मांग भी की।

# आठ जून से डेढ़ सौ दिन के लिए शादियों पर विराम लगेगा, अब कुछ मुहूर्त ही शेष

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** 14 अप्रेल से आरम्भ हुए विवाह समारोहों पर 08 जून से 145 दिन के लिए फिर से विराम लग जाएगा। 12 जून को गुरु गृह अस्त हो जाएंगे। ऐसे में मान्यतानुसार गुरु गृह के उदय होने तक फिर विवाह नहीं होंगे। जून में अंतिम विवाह मुहूर्त 08 जून को है। गुरु गृह 09 जुलाई तक अस्त रहेंगे। वहीं, 06 जुलाई देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ हो जाएगा। इस कारण जुलाई से 01 नवंबर तक विवाह मुहूर्त नहीं रहेंगे। इस तरह 08 जून से 01 नवम्बर के बीच विवाह समारोहों पर विराम रहेगा। 08 जून तक महज 13 दिन ही विवाह मुहूर्त बचे हैं। इसे देखते हुए विवाह स्थलों की बुकिंग पहले से ही हो गई है।

**मई में आठ, जून में पांच मुहूर्त**–ज्योतिषाचार्यों कें अनुसार मई में 16, 17, 18, 22, 23, 24, 27 और 28 मई को विवाह होंगे। वहीं जून में महज 05 दिन ही विवाह के मुहूर्त बाकी हैं। 2, 4 , 5, 7 व 8 जून को ये मुहूर्त हैं। इस तरह इस सीजन में अब 13 विवाह मुहूर्त बचे हैं।

**ऑलरेडी सब बुकिंग फूल**–मई व जून में अब विवाह के कम मुहूर्त होने के चलते शहर के मैरिज गार्डन, बारात घर व होटलों की बुकिंग पहले से ही हो चुकी है। टेंट, बैंड व अन्य जरूरी बुकिंग की भी यही स्थिति है। विवाह की खरीदारी का दौर भी जमकर जारी है। सराफा बाजार में विवाह के लिए आभूषण खरीदने लोग उमड़ रहे हैं। सराफा व्यापारियों के अनुसार बीते कुछ दिनों से सराफा बाजार में बिक्री बढ़ गई है। टेंट व्यापारियों ने बताया कि इन बुकिंग अच्छी हुई है।

**27 दिन तक गुरु अस्त, फिर चातुर्मास**–ज्योतिषाचार्यो के अनुसार विवाह के लग्न मुहूर्त देखते समय गुरु व शुक्र ग्रह का अच्छी स्थिति में होना जरूरी होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष 2025 में 12 जून से से 09 जुलाई के बीच गुरु ग्रह 27 दिन के लिए अस्त होने वाले हैं। गुरु गृह अस्त होने के कारण विवाह कार्य नहीं होगा। वहीं 06 जुलाई को देवशयनी एकादशी से चातुर्मास लगने के चलते विवाह नहीं होंगे।

# श्री चैतन्य भगवान का निर्वाण महोत्सव कल मनाया जाएगा

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** आशुतोष भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के संस्थापक श्री प्रत्यक्ष देव भगवान के सद्गुरुदेव श्री चैतन्य भगवान की 63वीं पुण्यतिथि (निर्वाण महोत्सव) जयेष्ठकृष्ण पंचमी दिनांक 18 मई रविवार 2025 श्री चैतन्य आश्रम मैनपुरिया मंदसौर में मनाई जाएगी।

श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ने बताया कि 18 मई को प्रात: 8 बजे रुद्राभिषेक, 9बजे हवन, 10 बजे श्री सद्गुरुदेव चैतन्य देव समाधि अभिषेक/पूजन/आरती/पुण्य स्मरण, 11 बजे महाप्रसादी होगी। महाप्रसादी लाभार्थी श्री रमेश चन्द्र शर्मा परिवार, मन्दसौर है। निर्वाण महोत्सव में श्री चैतन्य आश्रम लोकन्यास संरक्षक परम पूज्य स्वामीजी 1008 श्री धीरेशानंद जी महाराज, युवाचार्य महंत स्वामी श्री मणिमहेश चैतन्य जी महाराज, स्वामी शिव चैतन्य जी महाराज, स्वामी कृष्णानंद जी महाराज (गुलाबपुरा) सहित कई संत विप्र गण एवं प्रबुद्धजनों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास के प्रहलाद काबरा, डॉ. घनश्याम बटवाल, दयाराम दग्धी, रूपनारायण जोशी, जगदीशचंद्र सेठिया, कारूलाल सोनी, ओम नारायण शर्मा, ओंकारलाल माली, कामताप्रसाद शर्मा, ब्रजेश जोशी, बंसीलाल टॉक, राधेश्याम गर्ग, भेरुलाल कुमावत, अजय सिखवाल, गोविंद सिंह राणावत, प्रद्युम्न शर्मा , मांगीलाल धाकड, रामचंद्र कुमावत, उदय लाल कुमावत, रणछोड लाल कुमावत, महेश गर्ग, नारायण कुमावत, रमेशचंद शर्मा आदि ने सभी धर्मालुजनों से कार्यक्रमों में पधार कर सदगुरुदेव चैतन्य भगवान की कृपा प्राप्त करने की अपील की है।

# जिला प्रशासन द्वारा जनसहयोग से जल संवर्धन की सार्थक पहल

## जिले में 260 जल संरचनाओं का गहरीकरण प्रारंभ, 21668 ट्रेक्टर ट्राली मिट्टी निकाल कर खेतों में डाली

**नीमच, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** जिला प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिल में जन सहयोग से जल संवर्धन का अभियान प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशन में प्रारंभ किये गये जनसहयोग से जल संवर्धन अभियान के तहत जिले में 243 ग्राम पंचायतों में गहरीकरण के लिए कुल 1655 तालाबों, चेकडेम, स्टाप डेम एवं अन्य जल संरचनाओं को चिन्हित कर, 260 जल संरचनाओं का जन सहयोग से गहरीकरण कर 21668 टेक्टर ट्राली मिटटी निकालकर किसानों के खेतों में डाली गई है। इस कार्य में कुल 2177 ग्रामीणों ने अपनी सहभागिता की है। इससे एक ओर जहां तालाबों एवं जल संरचनाओं का गहरीकरण होकर उनकी जल भराव क्षमता बढेगी साथ ही किसानों को अपने खेतों के लिये उपजाउ मिटटी भी उपलब्ध हो रही है।

जिला पंचायत नीमच से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद क्षेत्र जावद में जन सहयोग से जल संवर्धन अभियान के तहत 73 ग्राम पंचायतों में 592 जल संरचनाओं का गहरीकरण के लिए चिन्हांकन किया गया है। इनमें से 96 जल संरचनाओं का गहरीकरण कार्य प्रारंभ कर, अब तक 7086 ट्रेक्टर ट्राली मिट्टी निकाल कर किसानों के खेतों में डाली गई है। इसमें 660 ग्रामीणों ने सहभागिता की है। मनासा क्षेत्र में जनसहयोग से जल संवर्धन अभियान के तहत 102 ग्राम पंचायतों में 636 जल संरचनाओं का गहरीकरण के लिए चिन्हांकन कर, 95 जल संरचनाओं का कार्य प्रारंभ कर, 7696 ट्रेक्टर ट्राली मिट्टी अब तक निकाली जा चुकी है। इस कार्य में 924 ग्रामीणों ने जनभागीदारी की है। इसी तरह जनपद क्षेत्र नीमच ने सभी 68 ग्राम पंचायतों में 427 जल संरचनाओं के गहरीकरण के कार्य चिन्हित किए जाकर, इनमें से 69 जल संरचनाओं का गहरीकरण कार्य प्रारंभकर, अब तक 6886 ट्रेक्टर ट्राली मिट्टी जन सहयोग से निकाल कर किसानों के खेतों में डाली गई है। इसमें 593 ग्रामीणों ने सहभागिता की है। डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना ने ग्राम ढंढेरी का भ्रमण कर वहां ग्रामीणों द्वारा जल संरचनाओं के जनसहयोग से किए जा रहे गहरीकरण कार्य का जायजा लिया।

# नामली की युवती के साथ घोसवास में दुष्कर्म

**रतलाम, 16 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले के नामली में 19 साल की युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। गुरुवार रात हिंदू संगठनों को इस बात की जानकारी लगी तो नामली पुलिस थाने पहुंचे। परिजन भी युवती को लेकर थाने पहुंचे। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया।**

पुलिस के मुताबिक घटना 23 अप्रैल की है। नामली थाना क्षेत्र की युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया कि रतलाम जाने के दौरान उसकी कुछ समय पहले सेमलिया के अयान अली पिता रियासत अली उम्र 22 साल से पहचान हुई थी। पिछले माह 23 अप्रैल को मैं रतलाम जा रही थी। तब वह रास्ते में मिला। कहा रतलाम छोड़ देता हूं। बहाने से मुझे घोसवास के पास एक होटल में ले गया। जहां मेरे साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी अयान को कस्टडी में ले लिया है। पूछताछ की जा रही है।

**होटल संचालक से होगी पूछताछ**–घटनाक्रम को लेकर पुलिस द्वारा होटल संचालक से भी इस बारे में पूछताछ की जाएगी। रतलाम ग्रामीण एसडीओपी किशोर पाटनवाला ने बताया युवती की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ धारा 64 (1) बीएनएस के साथ एससी-एसटी एक्ट में भी केस दर्ज किया है। आरोपी को राउंडअप कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

# श्रमिक संगठनों ने देश में उत्पन्न हालातों को देखते हुए हड़ताल स्थगित की

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** दिनांक 16 में 2025 को जारी एक्सप्रेस नोट में सेंटर ऑफ इंडियन प्रेसिडेंट सीटू के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ठाकुर जिला महासचिव बालू सिंह ने बताया कि देशभर की दस केंद्रीय श्रमिक संगठनों सीटू, इंटक, एटक, एचएमएस, एआईयूटीयूसी, सेवा, एआईसीसीटीयू, टीयूसीसी, एलपीएफ, यूटीयूसी तथा केन्द्रीय कर्मचारी, राज्य कर्मचारी, बैंक, बीमा, बीएसएनएल, रेलवे, कोयला, स्टील, तेल, रक्षा उत्पादन, गोदी-बंदरगाह, बीएचईएल, बीईएमएल आदि के 100 से अधिक स्वतंत्र फेडरेशनों/एसोसिएशनों के संयुक्त मंच ने 20 मई को प्रस्तावित देशव्यापी आम हडताल की तारीख को आगे बढाकर अब 09 जुलाई 2025 को करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की जान गई, के बाद देश में उत्पन्न हालातों को देखते हुए ट्रेड यूनियनों ने राष्ट्रहित में जिम्मेदार नागरिक होने के दायित्व निर्वहन करते हुए लिया है। सेन्टर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) की मध्यप्रदेश राज्य समिति ने एक विज्ञप्ति के जरिए यह जानकारी देते हुए समूचे प्रदेश में हडताल की तैयारी को जारी रखने और 09 जुलाई 2025 को होने वाली देशव्यापी आम हडताल को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया है। ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने सरकार से अपील की है कि वह इस संवेदनशील समय में देश के भीतर नफरत फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। इस संवेदनशील दौर में देशभर के मेहनतकशों दद्वारा आतंकवाद और नफरत की राजनीति के खिलाफ दिखाई गई एकता की सराहना की गई।

**हडताल स्थगित लेकिन संघर्ष जारी**–सेन्टर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) ने कहा है कि हडताल की तारीख को आगे बढाया गया है, लेकिन श्रमिक वर्ग के अधिकारों की लडाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। 09 जुलाई 2025 को देशव्यापी आम हडताल के पूर्व सघन अभियान चलाया जाएगा। 20 मई को देशभर में राजधानी, जिलों, औद्योगिक क्षेत्रों और कार्यस्थलों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन और रैलियों काआयोजन किया जाएगा। मध्य प्रदेश में भी सभी प्रमुख केंद्रों व औद्योगिक क्षेत्रों, खदानों के मुहाडों, दफ्तरों के सामने इस दिन विरोध कार्रवाई की जाएगी।

**सरकार और पूंजीपतियों द्वारा श्रमिकों पर हमले और उत्पीड़न जारी**–सीटू ने विज्ञप्ति में बताया कि ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने केंद्र और कई राज्य सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा है कि आतंकवादी हमले जैसी राष्ट्रीय त्रासदी के बीच भी श्रमिकों पर हमले और उत्पीडन बंद नहीं किए गए है। काम के घंटे जबरन बढाए जा रहे हैं, न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन हो रहा है, कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों की बेरहमी से छंटनी की जा रही है। यह सब काली श्रम संहिताओं को पिछले दरवाजे से लागू करने की साजिश का हिस्सा है। ट्रेड यूनियनों ने आरोप लगाया कि तमाम अनुरोधों के बावजूद मोदी सरकार ने भारतीय श्रम सम्मेलन बुलाने या संवाद की पहल नहीं की, और उल्टे मजदूर विरोधी नीतियों को तेज़ी से लागू कर रही है। ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने देश के सभी मजदूर संगठनों, कर्मचारियों और किसानों से अपील की है कि वे हडताल की तैयारी को जारी रखें और 09 जुलाई 2025 को होने वाली देशव्यापी आम हडताल को ऐतिहासिक बनाएं। साथ ही सरकार से मांग की है कि वह ट्रेड यूनियन आंदोलन की सकारात्मक भूमिका को समझे और श्रमिकों की न्यायसंगत मांगों पर कोई भी एकतरफा और उकसाने वाला कदम न उठाए। सीटू ने बताया कि इस हडताल की 18 सूत्रीय मांगों में श्रम संहिताओं को वापस लेना, न्यूनतम वेतन रु 26000 प्रतिमाह व न्यूनतम पेंशन रु 10000 सुनिश्चित करना, श्रमिकों और किसानों की मूलभूत मांगों की पूर्ति, सार्वजनिक क्षेत्रों के निजीकरण पर रोक लगाने, नई पेंशन योजना निरस्त कर सभी को पुरानी पेंशन के दायरे में लाना, आउटसोर्सिंग, संविदा, ठेका अंशकालिक दैनिक वेतन भोगी विनियमित आदि पर रोक लगाकर स्थाई काम पर स्थाई भर्ती करने, कार्यस्थलों पर सुरक्षा, वेतन और अधिकारों की रक्षा, मध्यप्रदेश में एरियर सहित न्यूनतम वेतन वृद्धि का लाभ देने आदि शामिल है।

# देवड़ा एवं शाह का पुतला शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आज करेगी दहन

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष विकास दशोरा ने बताया कि मोहन यादव सरकार के केबिनेट मंत्री विजय शाह सेना की बहादुर कर्नल को आतंकवादियों की बहन करार देते हैं, वहीं उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा सेना को मोदी के चरणों में नतमस्तक बताते हैं, और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री से मीडिया सवाल करे तो झल्ला कर जवाब देते हैं। दोनों ही मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय बीजेपी उन्हें संरक्षण दे रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने सेना के अपमान का प्रायोजित कार्यक्रम चला रखा है।

इसे लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के आह्वान पर कल पूरे प्रदेश में दोनों ही बदज़ुबान मंत्रियों के पुतले जलाकर सेना के स्वाभिमान की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरेगी। मन्दसौर में शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर द्वारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन के मार्गदर्शन में गांधी चौराहा पर दोपहर 12.30 बजे उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा एवं केबिनेट मंत्री विजय शाह का पुतला जलाया जाएगा। डॉ तोमर एवं दशोरा ने सभी कांग्रेस जनों से भागीदारी की अपील की है।

# नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए 22 तक करें आवेदन

**मंदसौर, 16 मई गुरु एक्सप्रेस।** प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग जिला पंचायत मन्दसौर द्वारा बताया गया कि म.प्र. खादी तथा ग्रामोघेग बोर्ड बोर्ड द्वारा कौशल विकास योजना अन्तर्गत नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाना हैं। इस हेतु इच्छुक प्रशिक्षणर्थी आनलाईन आवेदन कर सकता हैं नवीन आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु बोर्ड की विभागीय वेबसाईट http:/mpgramod yogglobal.gov.in के माध्यम से वेबसाईट http'i/crispon lineservices.com/services/khadi/User_ Registration-khadi. aspx को 22 मई 2025 तक आवेदन कर सकते है। मधुमक्खी पालन एवं अगरबत्ति निर्माण के ट्रैडों के आवेदको प्राथमिकता दी जावेगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in